

ए बात म सहमती हवय कए सुघर संदेस ह मरकुस के दुवारा लिखे गे हवय अऊ ए सुघर संदेस के बात ओला पतरस ह बताईस। ए समझे जाथे क मरकुस ह एला रोम देस के बसिवासी मनखेमन ला लिखे रहिसि, जऊन मन सताय जावत रहिन। मरकुस ह ओमन ला सुरता कराय चाहत रहिसि क परमेसर ह पराथना ला सुनथे अऊ ओमन के गवाही के दुवारा ओह अपन काम करही। मरकुस ह ओमन ला ए घलो बताय चाहत रहिसि क मसीह यीसू म ओमन के बसिवास खातिर ओमन ला अपन परान घलो देना पड़ सकथे। मरकुस ह ए सुघर संदेस म बताथे क यीसू करा अधिकार हवय। यीसू के अधिकार ह ओकर सकिछा, परेत आतमामन ला भगई अऊ मनखेमन के पाप छेमा करई म दिखथे। ए सुघर संदेस म यीसू ह अपन-आप ला “परमेसर के बेटा” कहथि। यीसू के बतसिमा अऊ सैतान के दुवारा ओकर परछिा के बाद, मरकुस ह तुरते यीसू के चंगई-सेवा अऊ ओकर सकिछा के बखान करथे। आखिरी के अध्यायमन म, यीसू के जनिगी के आखिरी समय, खास करके ओकर कुरस ऊपर चघाय जवई अऊ मरे म ले ओकर जी उठे के बखान करे गे हवय। ए सुघर संदेस ला खाल्हे लिखे भाग म बांटे जा सकथे।

सुघर-संदेस के सुरूआत 1:1-13
गलील प्रदेश म यीसू के सेवा 1:14-9:50
गलील प्रदेश ले यीसू के यरूसलेम सहर जवई 10

यरूसलेम सहर म यीसू के आखिरी हप्ता 11-15

मरे म ले यीसू के जी उठई 16:1-8

जी उठे के बाद, यीसू के अपन चेलामन ला दरसन देवई अऊ स्वर्ग जवई 16:9-20

1 परमेसर के बेटा यीसू मसीह के सुघर संदेस के सुरूआत। 2जइसने यसायाह अगमजानी के कताब म लिखे हवय:

“देखव, मेंह अपन संदेसिया ला तोर आघू

पठोवत हंव, जऊन ह तोर खातिर रसता बनाही। 3सुनसान जगह म एक संदेसिया अवाज देवत रहिसि क परभू के रसता ला बनावव अऊ ओकर रसता ला सीधा करव।”

4इही संदेसिया यूहन्ना रहिसि, जऊन ह सुनसान जगह म रहत रहिसि। अऊ बतसिमा देके सखोवत रहिसि क पाप के छेमा खातिर पछताप के बतसिमा लेवव। 5यरूसलेम सहर अऊ यहूदिया छेत्र के जम्मो इन नकिरके ओकर करा गीन। अऊ अपन-अपन पाप ला मानके यरदन नदी म ओकर ले बतसिमा लीन। 6यूहन्ना ह ऊँट के रोआं के बने कपड़ा पहिरय अऊ अपन कनहिां म चमड़ा के बने पट्टा बांधय, ओह फांफा अऊ जंगली मंथरस खावय। 7अऊ ओह ए बतात फिरत रहिसि क मोर बाद एक इन अवइया हवय, जऊन ह मोर ले अऊ महान ए। मेंह एकर लइक घलो नो हंव क नहिरके ओकर पनही के फीता ला खोलव। 8मेंह तुमन ला पानी म बतसिमा देवत हंव, पर ओह तुमन ला परमेसर के पबतिर आतमा म बतसिमा दिही।

यीसू के बतसिमा अऊ परछिा

(मत्ती 3:13-4:11; लूका 3:21-22; 4:1-13)

9ओ समय म, यीसू ह गलील के नासरत नगर ले आईस अऊ यरदन नदी म यूहन्ना ले बतसिमा लीस। 10जब यीसू ह पानी ले नकिरके ऊपर आईस, तभे ओह स्वर्ग ला खुलत अऊ परमेसर के आतमा ला पंडकी सहीं अपन ऊपर उतरस देखसि। 11अऊ स्वर्ग ले ए अवाज आईस: “तेंह मोर मयारू बेटा अस, तोर ले मेंह बहुंत खुस हंव।”

12तब आतमा ह तुरते ओला सुनसान ठऊर म पठोईस। 13अऊ सुनसान जगह म चालीस दिन तक सैतान ह ओकर परछिा लीस। ओह जंगली पसुमन संग रहत रहिसि अऊ स्वर्गदूतमन ओकर सेवा करत रहिन।

यीसू के पहिली चेला

(मत्ती 4:18-22; लूका 5:1-11)

14पाछू जब यूहन्ना ला जेल म डाले गीस, त यीसू ह गलील प्रदेश म जाके परमेसर के सुघर-संदेस के परचार करसि। 15अऊ

कहसि, “समय ह पूरा हो चुके हवय; परमेसर के राज ह लकठा आ गे हवय। मन-फरिावव अऊ सुघर-संदेस म बसिवास करव।”

16गलील के झील के तीरे-तीर जावत, ओह समीन अऊ ओकर भाई अन्दरियास ला झील म जाल डारत देखसि, काबरकी ओमन मछुआर रहनि। 17यीसू ह ओमन ला कहसि, “मोर पाछू आवव, मेंह तुमन ला मनखेमन के मछुआर बनाहूं।” 18ओमन तुरते जाल ला छोड़के ओकर पाछू हो लीन। 19थोरकन आघू जाय के बाद, ओह जबदी के बेटा याकूब अऊ ओकर भाई यूहन्ना ला डोंगा म जाल सलित देखसि। 20यीसू ह तुरते ओमन ला बलाईस, अऊ ओमन अपन ददा जबदी ला बनहारमन संग डोंगा म छोड़के ओकर पाछू चल दीन।

यीसू परेत आतमा ला नकारिथे

(लूका 4:31-37)

21ओमन कफरनहूम सहर म आईन अऊ यीसू ह बसिराम के दिन, यहूदीमन के सभा घर म जाके उपदेस देवन लगसि। 22मनखेमन ओकर उपदेस ला सुनके चकति होवत रहंय, काबरकी ओह कानून के गुरूमन सहीं नई, पर अधिकार के संग उपदेस देवत रहिसि। 23ओही बेरा ओमन के सभा घर म, एक झन मनखे रहिसि, जेकर भीतर परेत आतमा रहय। 24ओह चचियाके कहसि, “हे नासरत के यीसू! हमर ले तोर का काम? का तेंह हमन ला नास करे बर आय हवस? मेंह जानत हंव, तेंह कोन अस? तेंह परमेसर के पबतिर मनखे अस।” 25यीसू ह ओला दबकारके कहसि, “चुपे रह! अऊ ओम ले नकिर जा।” 26तब परेत आतमा ह ओला अईठके, अब्बड़ चचियावत ओम ले नकिर गीस। 27एला देखके, जम्मो मनखेमन चकति होवत, एक दूसर ले पुछन लगनि, “एह का बात ए? एह तो कोनो नवां उपदेस ए। ओह अधिकार के संग परेत आतमामन ला हुकूम देथे, अऊ ओमन ओकर बात ला मानथें।” 28तुरते गलील के जम्मो इलाका म ओकर समाचार फइल गीस।

यीसू ह अब्बड़ झन ला चंगा करथे

(मत्ती 8:14-17; लूका 4:38-41)

29तब ओह सभा घर ले नकिरके, याकूब अऊ यूहन्ना संग समीन अऊ अन्दरियास के घर गीस। 30उहां समीन के सास ह अब्बड़ जर के खातिर बेमार पड़े रहय, अऊ ओमन यीसू ला ओकर बारे म बताईन। 31ओह ओकर करा जाके, ओकर हांथ ला धरके उठाईस, ओतकीच म ओकर जर ह उतर गीस अऊ ओह उठके, ओमन बर खाना बनाय लगसि। 32संझा के बेरा, जब बेर बुड़ गे, त मनखेमन जम्मो बेमरहा अऊ जऊन मन ला भूत धरे रहय, यीसू करा लाननि। 33अऊ उहां कफरनहूम सहर के एक बड़े भीड़ घर के दुवारी के आघू म जुर गीस। 34यीसू ह कतको बेमरहामन ला बने करसि अऊ बहुंत परेत आतमामन ला नकारिसि, पर ओह परेत आतमामन ला बोलन नई दीस, काबरकी ओमन ह ओला चनिहत रहनि।

पराथना करे बर यीसू एकांत म जाथे

(लूका 4:42-44)

35बड़े बहिनियां, बेर नकिरे के पहिली, यीसू ह उठके एक सुनसान ठऊर म गीस अऊ उहां पराथना करन लगसि। 36समीन अऊ ओकर संग के मन ओला खोजत रहनि। 37जब ओह मलिसि, त ओला कहनि, “जम्मो झन तोला खोजत हवंय।” 38यीसू ह कहसि, “आवव, तीर-तार के गांव म घलो जाई कि मेंह उहां घलो परचार कर सकंव, काबरकी मेंह एकरे खातिर आय हवंव।” 39अऊ ओह जम्मो गलील पूरदेस म, ओमन के सभा घर म जा-जाके परचार करसि अऊ परेत आतमामन ला नकारिसि।

एक कोढ़ी के चंगई

(मत्ती 8:1-4; लूका 5:12-16)

40एक कोढ़ी मनखे ओकर करा आईस अऊ ओकर आघू म माथा टेकके बनिती करसि, “यदी तें चाहबे, त मोला बने कर सकथस।” 41यीसू ह ओकर ऊपर तरस खाके अपन हांथ ला बढ़ाईस अऊ ओला छुके कहसि, “मेंह चाहत हंव कि तेंह बने हो

जा।” 42ओतकीच बेरा ओकर कोढ़ ह खतम हो गीस अऊ ओह बने हो गीस। 43यीसू ह ओला चेताके तुरते बढा करसि अऊ ओला कहसि, 44“एकर बारे म कोनो ला कुछू झन कहबि, पर जाके पुरोहित ला देखा, अऊ कोढ़ीमन के बने होय के बारे म जइसने मूसा ह ठहराय हवय, वइसने बलदिन चघा, तब मनखेमन के आघू म तोर बने होय के गवाही होही।” 45पर ओह बाहरि जाके अपन चंगा होय के बारे म खुलके बताय लगसि, जेकर कारन, यीसू ह फेर नगर म खुल्लम-खुल्ला नई जा सकसि; ओला नगर के बाहरि एकांत जगह म रहे पड़सि। तभो ले चारों कोतलि मनखेमन ओकर करा आवत रहनि।

यीसू लकवा के मारे मनखे ला चंगा करथे

(मत्ती 9:1-8; लूका 5:17-26)

2 कुछू दिन के बाद, यीसू फेर कफरनहूम म आईस, अऊ ए समाचार ह जम्मो नगर म फइल गीस। 2ओ घर जहिं ओह ठहरे रहय, उहां अतका झन झूम गीन की अऊ एको झन बर ठऊर नई रहय; इहां तक की कपाट के बाहरि म घलो ठऊर नई रहिसि। अऊ यीसू ह ओमन ला परमेसर के बचन सुनाईस। 3उहां, लकवा के मारे एक मनखे ला, चार झन उठाके लाननि। 4भीड़ के मारे ओमन यीसू के लकठा म नई जा सकनि, एकर खातरि घर के छानी ला, जेकर तरी म यीसू रहय, उघार दीन, अऊ खटिया ला जेम लकवा के मारे ह रहय, यीसू के आघू म उतार दीन। 5यीसू ह ओमन के बसिवास ला देखके लकवा के मारे मनखे ला कहसि, “बेटा! तोर पाप ह छेमा हो गे।”

6तब कानून के कुछू गुरू, जऊन मन उहां बईठे रहनि, अपन मन म सोचे लगनि, 7“ए मनखे ह काबर अइसने कहत हवय। एह तो परमेसर के ननिंदा करत हवय, काबरकी परमेसर के छोड़ अऊ कोनो पाप ला छेमा नई कर सकय।”

8यीसू ह तुरते अपन आतमा म जान डारसि की ओमन अपन मन म का गुनत रहनि, अऊ ओह ओमन ला कहसि, “तुमन काबर अपन

मन म अइसने गुनत हवय? 9सहज का ए? लकवा के मारे ला ए कहई की तोर पाप ह छेमा हो गे या फेर ए कहई की अपन खटिया ला उठा अऊ रेंग। 10मेंह तुमन ला देखाहूँ की मनखे के बेटा ला धरती म पाप छेमा करे के अधिकार हवय।” तब ओह लकवा के मारे ला कहसि, 11“उठ, अपन खटिया ला उठा अऊ घर जा।” 12ओह उठसि अऊ खटिया ला लेके जम्मो मनखे के देखत चले गीस। एला देखके जम्मो झन चकित हो गीन अऊ ए कहके परमेसर के महिमा करनि की हमन अइसने कभू नई देखे रहेंन।

मत्ती (लेवी) के बुलावा

(मत्ती 9:9-13; लूका 5:27-32)

13यीसू ह फेर झील के तीर म गीस, अऊ ओ भीड़ जऊन ह ओकर करा आईस, ओमन ला उपदेस देवन लगसि। 14जब ओह जावत रहिसि, त ओह हलफई के बेटा लेवी ला देखसि, जऊन ह लगान लेवइया चौकी म बईठे रहिसि। यीसू ह ओला कहसि, “मोर पाछू हो ले।” अऊ ओह उठके ओकर पाछू हो लीस।

15जब यीसू ह लेवी के घर म खाना खावत रहिसि, त उहां ओकर अऊ ओकर चेलामन संग कतको लगान लेवइया अऊ पापी मनखे मन घलो खाना खावत रहनि, काबरकी उहां बहंत झन ओकर पाछू हो ले रहनि।

16जब कानून के गुरू, जऊन मन फरीसी रहनि, यीसू ला पापी अऊ लगान लेवइया मन संग खावत देखनि, त ओमन ओकर चेलामन ले पुछनि, “ओह अइसने मनखेमन संग काबर खावत हवय?”

17यीसू ह एला सुनके ओमन ला कहसि, “भला-चंगा मनखे ला डाक्टर के जरूरत नई रहय, पर बेमरहा ला रहथि। मेंह धरमीमन ला सखिोय बर नई आय हवंव, पर पापीमन ला सखिोय बर आय हवंव, ताकी ओमन मन फरावय।”

उपास के बारे बातचीत

(मत्ती 9:14-17; लूका 5:33-39)

18यूहन्ना के चेला अऊ फरीसी मन उपास

करत रहिनि। कुछू मनखेमन आके यीसू ले पुछनि, “यूहन्ना के चेला अऊ फरीसीमन के चेलामन उपास रखथें, पर तोर चेलामन काबर उपास नई रख्य?”

19यीसू ह ओमन ला कहसि, “का दुल्हा के संगवारीमन, दुल्हा के संग रहत उपास रखथें? जब तक दुल्हा ह ओमन के संग हवय, ओमन उपास नई रख्य। 20पर एक समय अइसने आही, जब दुल्हा ह ओमन ले अलग करे जाही, तब ओ दिन ओमन उपास करहीं।

21नवां कपड़ा के खाप जुन्ना कपड़ा म कोनो नई लगावय, कहू कोनो अइसने करथे, त ओ खाप ह जुन्ना कपड़ा ला खीचके अऊ चीर देथे। 22कोनो नवां अंगूर के मंद ला जुन्ना चमड़ा के थैली म नई रख्य। कहू कोनो अइसने करथे, त अंगूर के मंद ह थैली ला फोर देथे, अऊ मंद अऊ थैली दूनों बरबाद हो जाथे। एकरे बर नवां अंगूर के मंद ला नवां चमड़ा के थैली म रखथें।”

बसिराम दिन के परभू

(मत्ती 12:1-8; लूका 6:1-5)

23यीसू ह एक बसिराम के दिन खेत म ले होके जावत रहिसि अऊ ओकर चेलामन रेंगत-रेंगत दाना ला टोरत रहिनि, 24त फरीसीमन ओला कहनि, “देख, एमन अइसने काबर करथें? बसिराम के दिन म अइसने कई कानून के बरिद्ध अय।”

25यीसू ह ओमन ला कहसि, “का तुमन कभू नई पढ़ेव कि दाऊद राजा ह का करसि, जब ओ अऊ ओकर संगीमन ला भूख लगसि। 26अबियातार महा पुरोहित के समय म, दाऊद ह परमेसर के घर म गीस, अऊ परमेसर ला भेंट चघाय रोटी ला खाईस अऊ अपन संगवारीमन ला घलो खाय बर दीस, जऊन ला नयिम के मुताबकि सरिपि पुरोहितमन खा सकत रहिनि।”

27यीसू ह ओमन ला ए घलो कहसि, “बसिराम दिन ह मनखे बर बनाय गे हवय, न कि मनखे ह बसिराम दिन बर। 28एकरसेति,

मनखे के बेटा ह बसिराम दिन के घलो परभू अय।”

एक हांथ के लकवा मारे मनखे

(मत्ती 12:9-14; लूका 6:6-11)

3 यीसू ह सभा घर म फेर गीस अऊ उहां एक मनखे रहय, जेकर एक हांथ ला लकवा मार दे रहिसि। 2उहां कुछू झन ओकर ऊपर दोस लगाय बर मऊका खोजत रहय। एकरे बर ओमन ए देखत रहिनि कि ओह बसिराम के दिन म ओला बने करथे कि नई। 3यीसू ह जेकर हांथ ला लकवा मारे रहिसि ओला कहसि, “जम्मो के आघू म ठाढ़ हो जा।” 4तब ओह मनखेमन ले पुछसि, “बसिराम के दिन म का ठीक ए? भलाई करई या फेर बुरई करई? काकरो पुरान बचई या हतिया करई?” पर ओमन चुपचाप रहिनि। 5यीसू ह ओमन के हरिदय के कठोरता ला जानके उदास होईस, अऊ ओमन ऊपर गुस्सा होके चारों खूंट देखसि अऊ ओ मनखे ला कहसि, “अपन हांथ ला मोर अंग करा।” ओह अपन हांथ ला ओकर अंग करसि अऊ ओकर हांथ ह बने हो गीस। 6तब फरीसीमन बाहरि नकिरके हेरोदीमन संग ओकर बरिध म सडयंत्र करन लगनि कि ओला कइसने मार डारय।

यीसू के पाछू भीड़ के चलई

7यीसू ह अपन चेलामन संग झील कोत कि गीस अऊ गलील ले मनखेमन के एक बड़े भीड़ ओकर पाछू हो लीस। 8ओकर अचरज के काम के बारे म सुनके अबूबड़ मनखेमन यहूदिया, यरूसेलेम, इदूमिया, यरदन के पार अऊ सूर अऊ सैदा के आस-पास ले ओकर करा आईन। 9भीड़ के खातिर, ओह अपन चेलामन ला कहसि कि ओकर बर ओमन एक ठन छोटे डोंगा तयार रख्य ताकि अइसने झन होवय कि मनखेमन ओला दबा डारय। 10ओह बहुत झन ला चंगा करे रहिसि, एकर खातिर बेमरहा मनखेमन ओला छुए बर गरि परत रहय। 11अऊ जब भी परेत आतमामन ओला देख्य, ओकर आघू म गरि परय अऊ चचियाके कह्य, “तैंह परमेसर

के बेटा अस।” 12पर ओह ओमन ला चेताके कहय, “झन बतावव कि मेंह कोन अंव।”

बारह प्रेरितमन के चुनाव

(मत्ती 10:1-4; लूका 6:12-16)

13तब यीसू ह पहाड़ ऊपर चघ गीस अऊ जऊन मन ला ओह चाहत रहिसि, ओमन ला बलाईस अऊ ओमन ओकर करा आईन। 14ओह बारह झन ला प्रेरित करके चुनिस कि ओमन ओकर संग रहंय अऊ ओह ओमन ला परचार करे बर पठो सकय, 15अऊ ओमन परेत आतमामन ला नकिरे के अधिकार रखंय। 16ओ बारह झन ए रहिन—समिोन जेकर नांव ओह पतरस रखे रहिसि। 17जबदी के बेटा—याकूब, अऊ याकूब के भाई यूहन्ना, जेमेन के नांव ओह बुअनरगसि रखे रहिसि, जेकर मतलब होथे “गरजन के बेटामन”; 18अऊ अन्दरियास, फलिपिपुस, बरतुलमै, मत्ती, थोमा, हलफर्ड के बेटा—याकूब, अऊ तद्दै, समिोन कनानी, 19अऊ यहूदा इस्करियोती जऊन ह यीसू ला पकड़वाय रहिसि।

यीसू अऊ बालजबूल

(मत्ती 12:22-32; लूका 11:14-23; 12:10)

20जब यीसू ह घर म आईस, त फेर अइसने भीड़ जुर गीस कि ओह अऊ ओकर चेलांमन खाना तक नई खा सकनि। 21जब ओकर परचार के मन ए सुनि, त ओला घर ले जाय बर आईन, काबरकि ओमन कहत रहिन कि ओकर चति ह ठीक नई ए।

22अऊ कानून के गुरू जऊन मन यरूसलेम ले आय रहिन, अइसने कहंय कि ओम सैतान हवय अऊ ओह परेत आतमामन के सरदार (बालजबूल) के मदद ले परेत आतमामन ला नकिरथे।

23यीसू ह ओमन ला लकठा म बलाके पटंतर म कहसि, “सैतान ह सैतान ला कइसने नकिार सकथे? 24कहूं कोनो राज म फूट पड़ जावय, त ओ राज ह बने नई रह सकय। 25वइसनेच कहूं कोनो घर म फूट पड़ जावय, त ओ घर ह बने नई रह सकय। 26कहूं सैतान ह अपनेच बरिध म

होके अपनेच म फूट डारही, त ओह कइसने बने रह सकथे? ओकर बनिास हो जाही। 27कोनो मनखे कोनो बलवान मनखे के घर म घुसर के ओकर घर ला लूट नई सकय, जब तक कि ओह पहिली ओ बलवान मनखे ला नई बांध लही, तभे ओह ओकर घर ला लूट सकथे। 28मेंह तुमन ला सच कहत हंव कि मनखेमन के जम्मो पाप अऊ ननिंदा करई ह माफ करे जाही, 29पर जऊन ह पबतिर आतमा के बरिध म ननिंदा करथे, ओला कभू माफ नई करे जावय; ओह अनंत पाप के दोसी ठहरही।” 30यीसू ह ए जम्मो बात एकर खातिर कहसि काबरकि ओमन ए कहत रहिन कि ओम परेत आतमा हवय।

यीसू के दाई अऊ भाईमन

(मत्ती 12:46-50; लूका 8:19-21)

31तब यीसू के दाई अऊ भाईमन उहां आईन अऊ बाहिर म खड़े होके, एक झन ला ओला बलाय बर पठोईन। 32एक बड़े भीड़ यीसू के चारों खूंट बईठे रहिसि, अऊ ओमन ओला कहनि, “देख, तोर दाई अऊ भाईमन बाहिर म तोला खोजत हवय।” 33ओह ओमन ले पुछसि, “मोर दाई अऊ भाईमन कोन अंय?” 34तब ओह अपन चारों खूंट बईठे भीड़ ला देखके कहसि, “एमन मोर दाई अऊ भाई अंय। 35जऊन कोनो परमेसर के ईछा ला पूरा करथे, ओह मोर भाई, बहनी अऊ दाई अंय।”

बीज बोवइया के पटंतर

(मत्ती 13:1-9; लूका 4:4-8)

4 यीसू ह फेर झील के तीर म उपदेस करन लगसि अऊ उहां अइसने भीड़ जुर गीस कि ओह झील म एक ठन डोंगा ऊपर चघके बईठसि अऊ भीड़ ह झील के तीर म रहय। 2ओह ओमन ला पटंतर म बहुंत अकन गोठ सखोवन लगसि अऊ अपन उपदेस म कहसि, 3“सुनव, एक किसान ह बीज बोय बर नकिरसि। 4बोवत बखत कुछू बीजा रसता के तीर म गरिन अऊ चरिईमन आके ओला खा लीन। 5अऊ कुछू पथररी भुइयां म गरिन, जहां ओमन ला बने माटी नई मलिसि

अऊ गहरि माटी नई मल्लि के कारन जल्दी जाम गीन। 6जब सूरज नकिरसि, त ओमन मुरझा गीन अऊ जरी नई धरे रहे के कारन सूख गीन। 7कुछू बीजा कंटली झाड़ीमन म गरिन अऊ झाड़ीमन बढ़के ओमन ला दबा दीन, जेकर कारन ओमन म फर नई धरनि। 8पर कुछू बीजा बने भुइयां म गरिन; ओमन जामनि अऊ बढ़के ओमन म फर धरनि।”

9तब यीसू ह कहसि, “जेकर कान हवय, ओह सुन ले।”

पटंतर के मतलब

(मत्ती 13:10-17; लूका 8:9-10)

10जब यीसू ह अकेला रहिसि, तब ओकर बारह चेला अऊ ओकर संग के मन ओकर ले पटंतर के बारे म पुछनि। 11ओह ओमन ला कहसि, “परमेसर के राज के भेद के समझ तुमन ला देय गे हवय, पर बाहरि वाले मन ला सब गोठ पटंतर म बोले जाथे। 12एकरसेती ‘भले ओमन देखंय अऊ सुनंय, पर ओमन झन समझंय; अइसने झन होवय की ओमन पछताप करंय अऊ ओमन ला छेमा करे जावय।’”

13तब यीसू ह ओमन ला कहसि, “का तुमन ए पटंतर ला नई समझेव, तब आने पटंतरमन ला कइसने समझू? 14बोवइया ह परमेसर के बचन ला बोथे। 15कुछू मनखेमन डहार के तीर म परे बीजा सही अंय; जब बचन ह बोय जाथे, तब तुरते सैतान ह आके ओमन म बोय गे बचन ला ले जाथे। 16आने मन ओ बीजा के सही अंय, जऊन ला पथर्री भुइयां ऊपर बोय जाथे; ओमन बचन ला सुनके तुरते आनंद सहति गरहन करथें। 17फेर अपन म जरी नई धरे रहय के कारन, ओमन के बसिवास ह थोरकन समय बर रहथि, अऊ जब बचन के सेती तकलीफ अऊ सतावा आथे, त ओमन तुरते बचन के मुताबकि चले बर बंद कर देथें। 18जऊन ला झाड़ीमन म बोय गीस, ओमन ए अंय—ओमन बचन ला सुनथें, 19पर संसार के चीता, धन के लोभ अऊ आने चीजमन के ईछा ओमन म हमाके बचन ला दबा देथें अऊ ओमन फर नई

लानंय। 20अऊ जऊन ला बने भुइयां म बोय जाथे, ओमन ए अंय—ओमन बचन ला सुनके गरहन करथें अऊ फर लानथें—कोनो तीस गुना, कोनो साठ गुना अऊ कोनो सौ गुना।”

दीया के ठऊर

(लूका 8:16-18)

21यीसू ह ओमन ला कहसि, “का दीया ला ए खातरि लानथें किकाठा या खटिया के खाल्हे म मढ़ाय जावय? का ए खातरि नई कदिद्या ला दीवट ऊपर मढ़ाय जावय? 22काबरकि अइसने कोनो चीज छपि नई ए की ओला परगट करे जावय, अऊ न कोनो चीज गुपत म हवय, की ओला उजागर करे जावय। 23कहूं तुम्हर कान हवय, त सुनव।

24जऊन कुछू तुमन सुनथव, ओकर ऊपर बने करके बचाार करव। जऊन नापा म तुमन नापथव, ओहीच म तुम्हर बर घलो नापे जाही, बल्की अऊ जादा। 25जेकर करा हवय, ओला अऊ दियि जाही, अऊ जेकर करा नई ए, ओकर ले जऊन कुछू बांचे हवय, ओला घलो ले लयि जाही।”

बाढ़त बीजा के पटंतर

26यीसू ह ए घलो कहसि, “परमेसर के राज ह अइसने अय—एक मनखे ह बीजा ला भुइयां म बोथे। 27रात अऊ दिन, चाहे ओह सोवय या जागय, बीजा ह अपन-आप जामथे अऊ बाढ़थे अऊ ओह नई जानय की एह कइसने होईस? 28माटी ह आपे-आप फसल उपजाथे—पहिली पीका नकिरथे, तब बाली, अऊ तब बालीमन म तयार होथे दाना। 29जतकी जल्दी दाना पाकथे, मनखे ह हंसिया लेके लुए के सुरू कर देथे, काबरकि एह लुवई के समय होथे।”

सरसों बीजा के पटंतर

(मत्ती 13:31-32; लूका 13:18-19)

30फेर यीसू ह कहसि, “हमन परमेसर के राज ला काकर सही ठहरई या कोन पटंतर म ओकर बखान करी? 31ओह सरसों के बीजा सही अय, जब एह बोए जाथे, त एह भुइयां म जम्मो बीजामन ले छोटे होथे।

32तभो ले लगाय के बाद एह बाढ़के, बारी म जम्मो साग-भाजी ले बड़े हो जाथे, अऊ ओकर अइसने बड़े-बड़े थांधामन नकिरथें की अकास के चरिईमन ओम बसेरा कर सकथें।”

33बचन ला समझाय खातरि, यीसू ह अइसने कतको पटंतर ओमन ला कहसि। 34बगिर पटंतर के ओह ओमन ला कुछू नई कहत रहिसि। पर जब ओह अपन चेलामन संग अकेला रहय, त ओमन ला जम्मो गोठमन के मतलब ला साफ-साफ बतावय।

यीसू ह आंधी ला सांत करथे

(मत्ती 8:23-27; लूका 8:22-25)

35ओहीच दिन संझा के बखत, ओह अपन चेलामन ला कहसि, “आवव, हमन झील के ओ पार चली।” 36भीड़ ला पाछू छोड़के, ओमन जइसने यीसू रहिसि वइसने ओला अपन संग डोंगा म ले गीन। उहां ओकर संग अऊ डोंगामन घलो रहंय। 37तब एक बड़े भारी आंधी आईस अऊ पानी के बड़े-बड़े लहरा उठसि, जेकर कारन पानी ह डोंगा म हमाय लगसि अऊ डोंगा ह बुड़े बर होवत रहय। 38यीसू ह डोंगा के पाछू म गद्दी ऊपर सोवत रहय। तब चेलामन ओला उठाके कहनि, “हे गुरू, का तोला कोनो फकिर नई ए की हमन पानी म बुड़त हवन?”

39ओह उठके आंधी ला दबकारसि अऊ पानी के लहरामन ला कहसि, “सांत हो जावव, थम जावव।” तब आंधी ह थम गीस अऊ एकदम सांत हो गीस।

40ओह अपन चेलामन ला कहसि, “काबर डर्रावत हवव? का तुमन ला अब घलो मोर ऊपर बसिवास नई ए?”

41ओमन अब्बड़ डर्रा गे रहिनि अऊ एक-दूसर ला पुछन लगनि, “एह कोन ए की आंधी अऊ पानी घलो एकर बात ला मानथें।”

परेत आतमा ले बाधति मनखे के चंगई

(मत्ती 8:28-34; लूका 8:26-39)

5 ओमन झील के ओ पार गीन, जहिं गरिसेनीमन रहत रहिनि। 2जब यीसू ह

डोंगा ले उतरसि, तब एक झन मनखे जऊन म परेत आतमा रहय, मसानघाट ले नकिरके ओकर करा आईस। 3ए मनखे ह मसानघाट म रहत रहय अऊ ओम अतकी ताकत रहय की कोनो ओला सांकर म घलो नई बांधे सकत रहिनि। 4कतको बार ले ओकर हांथ ला सांकर म बांधके गोड़ म बेड़ी पहरिय गे रहिसि, पर हर बार ओह सांकर अऊ बेड़ी ला टोर देवय; कोनो ओला काबू म नई कर सकत रहिनि। 5रात अऊ दिन, ओह मसानघाट अऊ पहाड़ीमन म चचियावय अऊ अपन-आप ला चौक पथरा म घायल करत रहय।

6ओह दूरहाच ले यीसू ला देखके ओकर अंग दऊइसि अऊ ओकर गोड़ खाल्हे म गरिसि, 7अऊ अब्बड़ चचियाके कहसि, “हे यीसू, सबले बड़े मालकि परमेसर के बेटा, मोर ले तोला का काम? परमेसर के कसम, तेंह मोला पीरा झन दे।” 8काबरकी यीसू ह ओला कहत रहय, “हे परेत आतमा, ए मनखे म ले नकिर आ।”

9तब यीसू ह ओकर ले पुछसि, “तोर का नांव ए?”

ओह कहसि, “मोर नांव सेना ए, काबरकी हमन अब्बड़ झन हवन।” 10अऊ ओह यीसू ले बार-बार बनिती करसि की ओमन ला ओ इलाका ले बाहिर झन पठोवय।

11उहां लकठा म पहाड़ी कोती सुरामन के एक बड़े झुंड ह चरत रहय। 12परेत आतमामन यीसू ले बनिती करके कहनि की हमन ला ओ सुरामन म पठो दे की हमन ओमन म हमा जाई। 13ओह ओमन ला हुकूम दीस अऊ परेत आतमामन नकिरके सुरामन म हमा गीन। अऊ सुरामन के झुंड ह जेम करीब दू हजार सुरा रहिनि, कगार ऊपर ले झपटके झील म गरिनि अऊ बुड़ मरनि।

14सुरामन के चरवाहामन भाग के ए बात ला सहर अऊ गांव मन म बताईन अऊ ओला सुनके, जऊन बात होय रहिसि, ओला देखे बर मनखेमन आईन। 15जब ओमन यीसू करा आईन, त ओला जऊन म परेत आतमामन रहिनि, कपड़ा पहिरि अऊ सचेत बईठे देखनि

अऊ ओमन डर्रा गीन। 16जऊन मन एला अपन आंखी ले देखे रहनि, ओमन मनखेमन ला ओ मनखे जऊन म परेत आतमामन रहनि, ओकर बारे अऊ सुरामन के बारे म जम्मो बात बताईन। 17तब मनखेमन ह यीसू ले बनिती करनि की ओह ओमन के इलाका ले चले जावय।

18जब यीसू ह डोंगा ऊपर चघन लगसि, तब ओ मनखे जऊन म पहिली परेत आतमामन रहनि, ओकर ले बनिती करन लगसि, “मोला तोर संग जावन दे।” 19पर यीसू ह इनकार करके ओला कहसि, “अपन घर जाके अपन मनखेमन ला बता की दया करके परभू ह तोर बर कइसने बड़े काम करे हवय।” 20ओ मनखे ह उहां ले चल दीस अऊ ओ इलाका के दस सहर म बताय लगसि की यीसू ह ओकर बर कइसने बड़े काम करे हवय। एला सुनके जम्मो मनखेमन अचम्भो करनि।

एक मरे टूरी अऊ एक बेमार माईलोगन

(मत्ती 9:18-26; लूका 8:40-56)

21जब यीसू ह फेर डोंगा म झील के ओ पार गीस, त बहुते मनखेमन ओकर चारों खूंट जुर गीन। जब ओह झील के तीरिच म रहिसि, 22तबे याईर नांव के सभा घर के अधिकारी उहां आईस अऊ यीसू ला देखके ओकर गोड़ तरी गरिसि, 23अऊ ओकर ले बनिती करके कहसि, “मोर नानकून बेटी ह मरइया हवय, तेह आके ओकर ऊपर अपन हांथ ला रख की ओह बने होके जीयत रहय।” 24तब यीसू ह ओकर संग गीस अऊ एक बड़े भीड़ ह ओकर पाछू हो लीस। भीड़ के कारन मनखेमन ओकर ऊपर गरि परत रहनि। 25ओ भीड़ म एक माईलोगन रहय, जऊन ला बारह बछर ले लहू बहे के बेमारी रहय। 26ओह बहुंत डाक्टरमन के इलाज ले भारी दुःख झेले रहिसि। इहां तक की अपन जम्मो पूंजी ला खरचा कर डारे रहिसि, पर ओला कुछ फायदा नई होईस, बल्की ओकर बेमारी ह अऊ बढ़ गे रहय। 27यीसू के चरचा ला सुनके, ओह भीड़ म ओकर

पाछू आईस अऊ ओकर कपड़ा ला छुईस। 28काबरकी ओह सोचत रहय की कहुं मेंह ओकर कपड़ाच ला छू लेवंव, त बने हो जाहूं। 29जतका जल्दी ओह यीसू के कपड़ा ला छुईस, ओकर लहू बहे के बंद हो गीस अऊ ओह अपन देहें म जान डारसि की ओह बने हो गे हवय।

30यीसू ह तुरते जान डारसि की ओकर म ले सामरथ नकिरे हवय। ओह भीड़ म पाछू मुड़के पुछसि, “मोर कपड़ा ला कोन छुईस?”

31ओकर चेलामन कहनि, “तेह देखत हवस की भीड़ ह तोर ऊपर गरि परत हवय, तभो ले पुछत हवस की कोन ह तोला छुईस?”

32पर यीसू ह ए जाने खातरि की कोन ह अइसने करे हवय, चारों कोता देखे लगसि। 33तब ओ माईलोगन ह ए जानके की ओकर कइसने भलाई होय हवय, आईस अऊ यीसू के गोड़ तरी गरिके डरत अऊ कांपत ओला जम्मो बात ला सही-सही बता दीस। 34यीसू ह ओला कहसि, “बेटी! तोर बसिवास ह तोला बने करे हवय। सांता म जा अऊ अपन दुःख ले बांचे रह।”

35जब यीसू ह ए बात कहत रहय, तभे सभा घर के अधिकारी याईर के घर ले कुछ मनखेमन आईन अऊ कहनि, “तोर बेटी ह तो मर गीस; अब गुरू ला काबर तकलीफ देबो।”

36ओमन के गोठ ला धियान नई देवत, यीसू ह सभा घर के अधिकारी ला कहसि, “झन डर्रा, सरिपि बसिवास रख।”

37ओह पतरस, याकूब अऊ याकूब के भाई यूहन्ना ला छोड़के अऊ कोनो ला अपन संग नई आवन दीस। 38जब ओमन सभा घर के अधिकारी के घर आईन, त यीसू ह देखसि की उहां हल्ला मचे हवय अऊ मनखेमन उहां बहुंत रोवत अऊ गोहारत रह्य। 39ओह भीतर जाके ओमन ला कहसि, “तुमन काबर रोवत अऊ हल्ला मचावत हवय? लइका ह मरे नई, सुतत हवय।” 40पर ओमन ओकर हंसी उड़ाय लगनि।

तब ओह जम्मो झन ला बाहरि नकारके,

अपन संग म टूरी के दाई-ददा अऊ अपन चेलामन ला लेके भीतर गीस, जहिं लइका ह रहय। 41 ओह छोकरी के हांथ ला धरके ओला कहसि, “तलति कुमी।” जेकर मतलब होथे—“ए छोकरी, मेंह तोला कहत हंव, उठ।” 42 अऊ ओ छोकरी ह तुरते उठके चले-फरि लगसि; (ओ छोकरी ह बारह बछर के रहसि)। एला देखके ओमन बहुत अचरज करनि। 43 यीसू ह ओमन ला चेताके कहसि कि ए बात कौनो ला झन बतावव; अऊ ओमन ला कहसि कि ओला कुछू खाय बर देवव।

एक अगमजानी बगिर आदरमान के

(मत्ती 13:53-58; लूका 4:16-30)

6 ओ जगह ला छोड़के, यीसू ह अपन चेलामन संग अपन नगर नासरत म आईस। 2 बसिराम के दिन, ओह सभा घर म सखोय लगसि अऊ अब्बड़ मनखेमन ओकर बात ला सुनके अचरज करनि अऊ पुछन लगनि, “एला, ए बात कहां ले मलिसि? एला का कसिम के बुद्धिमिलि हवय कि एह चमतकार के काम घलो करथे। 3 का एह ओ बढ़ई नो हय? का एह मरयिम के बेटा अऊ याकूब, योसेस, यहूदा अऊ समोन के भाई नो हय? का एकर बहनीमन हमर संग म इहां नई रहंय?” अऊ ओमन ओकर तरिस्कार करनि।

4 यीसू ह ओमन ला कहसि, “अगमजानी ह अपन नगर, अपन कुटुम्ब अऊ अपन घर के छोड़ जम्मो जगह आदरमान पाथे।” 5 ओह उहां एको चमतकार के काम नई कर सकसि। सरिपि कुछू बेमरहामन ऊपर हांथ रखके ओमन ला बने करसि। 6 अऊ ओह ओमन के कम बसिवास ला देखके अचम्भो करसि।

यीसू ह अपन बारह चेलामन ला पठोथे

(मत्ती 10:5-15; लूका 9:1-6)

तब यीसू चारों खूट के गांवमन म उपदेस करत फरिसि। 7 ओह अपन बारहों चेलामन ला बलाके ओमन ला दू-दू झन करके

पठोईस अऊ ओमन ला परेत आतमामन के ऊपर अधिकार दीस।

8 ओकर हुकूम ए रहिसि, “डहार बर लउठी के छोड़ अऊ कुछू झन लेवव, न रोटी, न झोला अऊ न पटका म पईसा। 9 पनही ला पहरिव, पर अपन संग म एक ठन घलो अतकहिा कुरता झन लेवव। 10 जब तुमन कोनो घर म जावव, त ओ गांव ला छोड़त तक ओहीच घर म रहव। 11 अऊ कहूं कोनो ठऊर के मनखेमन तुमन ला गरहन नई करंय अऊ तुम्हर बात ला नई सुनय, त उहां ले चलते बखत अपन गोड़ के धूरा ला उहां झर्रा देवव कि ओमन के बरिध म गवाही ठहरय।” 12 तब चेलामन जाके परचार करनि कि मनखेमन पाप ले पछताप करंय। 13 ओमन कतको परेत आतमामन ला नकिारनि अऊ कतको बेमरहामन ला तेल म अभसिक करके ओमन ला बने करनि।

यूहन्ना बतसिमा देवइया के अंत

(मत्ती 14:1-12; लूका 9:7-9)

14 हेरोदेस राजा एकर बारे म सुनसि, काबरका यीसू के नांव ह जम्मो अंग फइल गे रहय। कुछू मनखेमन कहत रहनि, “यूहन्ना बतसिमा देवइया ह मरे म ले जी उठे हवय अऊ एकर खातरि ओकर दुवारा चमतकार के काममन होवत हवय।” 15 आने मन कहनि, “ओह एलियाह अय।” अऊ कतको मन कहत रहनि, “ओह पहिली के अगमजानीमन सहीं एक झन अगमजानी अय।”

16 पर जब हेरोदेस ह एला सुनसि, त ओह अपन मन म सोचसि, “एह यूहन्ना बतसिमा देवइया ए, अऊ ओह कहसि, ‘मेंह जऊन मनखे के मुड़ ला कटवाय रहेंव, ओहीच ह जी उठे हवय।”

17 काबरका हेरोदेस खुद हुकूम दे रहिसि कि यूहन्ना ला पकड़के जेल म डालव। ओह अपन भाई फलिपिपुस के घरवाली हेरोदियास के खातरि अइसने करे रहिसि। ओह हेरोदियास ले बहिाव कर ले रहिसि। 18 काबरका यूहन्ना ह हेरोदेस ला कहे रहय

कहिअपन भाई के घरवाली ला अपन घरवाली बनाके रखई परमेसर के कानून के बरिंध ए। 19एकरसेती हेरोदयास ह अपन मन म यूहन्ना बर बईरता रखय अऊ ओला मरवाय बर चाहत रहय। पर ओला मऊका नई मलित रहिसि। 20काबरकी हेरोदेस ह यूहन्ना ला धरमी अऊ पबतिर मनखे जानके ओकर ले डराय अऊ ओला बंचाके रखे रहय। हेरोदेस ह यूहन्ना के बात ला सुनके घबरावय, तभो ले ओकर बात ला सुने के ईछा रखय।

21आखरि म ओ समय आईस, जब हेरोदेस ह अपन जनम दनि म एक बड़े जेवनार करिसि। ओह राज के बड़े अधिकारी, पलटन के सेनापति अऊ गलील के बड़े मनखेमन ला नेवता दीस। 22तब हेरोदयास के बेटी ह आके जम्मो झन के आघू म नाचसि। ओकर नचई ला देखके हेरोदेस अऊ ओकर नेवताहारीमन खुस हो गीन।

तब राजा ह छोकरी ला कहसि, “तेंह कोनो घलो चीज मोर ले मांग, अऊ मेंह तोला दूहूँ।” 23ओह करिया खाके कहसि, “कोनो घलो चीज तेंह मांग, अऊ मेंह तोला दूहूँ। इहां तक की मोर आधा राज घलो।”

24छोकरी ह बाहरि जाके अपन दाई ले पुछसि, “मेंह का मांगव?”

ओकर दाई ह कहसि, “यूहन्ना बतसिमा देवइया के मुड़।”

25छोकरी ह तुरते भीतर राजा करा गीस अऊ बनिती करके कहसि, “मेंह चाहथंव की तेंह यूहन्ना बतसिमा देवइया के मुड़ी ला एक ठन थारी म मोर करा मंगवा दे।”

26तब राजा ह बहुत उदास होईस, पर अपन करिया अऊ नेवताहारीमन के सेती ओला इनकार करे नई चाहसि। 27एकरसेती, ओह तुरते एक सपिाही ला हुकूम देके, यूहन्ना के मुड़ी ला लाने बर पठोईस। सपिाही ह जेल म जाके यूहन्ना के मुड़ी ला काटिसि, 28अऊ ओ मुड़ी ला एक ठन थारी म लानके छोकरी ला दीस अऊ ओ छोकरी ह एला अपन दाई ला दे दीस। 29एला सुनके यूहन्ना के चेलामन आईन अऊ ओकर लास ला उठाके ले गीन अऊ कबर म रख दीन।

यीसू ह पांच हजार मनखेमन ला खाना खवाथे

(मत्ती 14:15-21; लूका 9:11-17; यूहन्ना 6:1-14)

30पूरेरतिमन लहुंटके यीसू करा जुरनि। अऊ जऊन कुछ ओमन करे अऊ सखिओय रहनि, ओ जम्मो बात ओला बताईन। 31तब ओह ओमन ला कहसि, “चलव, कोनो सुनसान ठऊर म चलके थोरकन सुसता लेवव।” काबरकी अब्बड़ मनखेमन आवत-जावत रहनि, अऊ ओमन ला खाय के मऊका घलो नई मलित रहिसि।

32एकरसेती ओमन डोंगा म चघके एक ठन सुनसान ठऊर म चले गीन। 33ओमन ला जावत देखके, कतको झन ओमन ला चनि डारनि अऊ झील के तीरे-तीर दऊड़नि अऊ आघू हबरके उहां ओमन ले मलिनि। 34जब यीसू डोंगा ले उतरसि, त उहां एक बड़े भीड़ ला देखके ओमन के ऊपर तरस खाईस, काबरकी ओमन बगिर चरवाहा के भेड़मन सहीं रहनि अऊ ओह ओमन ला बहुत अकन बात सखिओवन लगसि।

35जब बेरा ह ढरक गीस, तब ओकर चेलामन आके ओला कहनि, “एह एक सुनसान जगह ए अऊ बेरा ह बहुत ढरक गे हवय। 36मनखेमन ला आस-पास के गांव अऊ बस्ती म न भेज की ओमन अपन खाय बर कुछू बसिओय सकय।”

37पर यीसू ह जबाब दीस, “तुमन ओमन ला कुछू खाय बर देवव।”

ओमन ओला कहनि, “अतेक मनखे ला खवाय बर, एक मनखे के कम से कम आठ महनि के बनी लगही। का हमन जाके, एमन के खाय बर अतेक जादा पईसा खरचा करन?”

38ओह ओमन ला कहसि, “जाके देखव की तुमहर करा कतेक रोटी हवय?”

ओमन पता लगाके कहनि, “पांच ठन रोटी अऊ दू ठन मछरी।”

39तब यीसू ह ओमन ला हुकूम दीस की जम्मो झन ला हरहिर कांदी ऊपर ओरी-ओरी करके बईठा देवव। 40ओमन सौ-सौ अऊ

पचास-पचास के ओरी-ओरी करके बईठ गीन। 41तब ओह पांचों रोटी अऊ दूनों मछरी ला लीस अऊ स्वरग कोर्ता देखके परमेसर ला धनबाद दीस। अऊ रोटी ला टोर-टोरके अपन चेलामन ला देवत गीस की ओमन मनखेमन ला परोसंय अऊ दूनों मछरी ला घलो मनखेमन म बांट दीस। 42ओ जम्मो झन खाके अघा गीन। 43अऊ चेलामन गरि-परे रोटी अऊ मछरी के टुकड़ा के बारह टुकनी भरके उठाईन। 44खवइयामन म उहां पांच हजार मरदमन रहिन।

यीसू ह पानी ऊपर रेंगथे

(मत्ती 14:22-33; यूहन्ना 6:15-21)

45एकर बाद, यीसू ह तुरते अपन चेलामन ला डोंगा म चघाईस की ओमन ओकर आघू बैतसेदा ला जावंय, जब तक ओह भीड़ के मनखेमन ला बंदि करय। 46ओमन ला बंदि करके ओह पहाड़ी ऊपर पराथना करे बर गीस।

47जब संझा होईस, त डोंगा ह झील के मांझा म रहय अऊ यीसू ह एके झन भांठा म रहिसि। 48ओह देखसि की चेलामन डोंगा ला खेवत-खेवत थक गे रहंय, काबरकहिवा ह ओमन के उलटा दगि म बहत रहय। रात के चार बजे के आस-पास, ओह झील ऊपर रेंगत चेलामन करा गीस, अऊ ओमन ले आघू नकिरइया रहिसि। 49पर ओमन ओला जब झील ऊपर रेंगत देखनि, त ओमन ओला भूत समझनि, अऊ ओमन चचियाय लगनि। 50काबरकी जम्मो चेलामन ओला देखके डर्रा गे रहंय।

यीसू ह तुरते ओमन ले गोठियाईस अऊ कहसि, “हमिमत रखव, मेंह अंव, झन डर्रावव।” 51तब ओह ओमन करा डोंगा म आईस अऊ हवा ह सांत हो गीस। ओमन अब्बड़ अचम्भो करन लगनि। 52काबरकी पांच रोटी अऊ दू ठन मछरी ले पांच हजार मनखेमन ला खावाय के बाद घलो, ओमन नई समझे रहिन की यीसू ह कोन ए। ओमन के मन ह कठोर हो गे रहय।

53जब ओमन ओ पार गन्नेसरत म हबरनि,

त डोंगा ला उहां रखके उतरनि। 54ओमन के डोंगा ले उतरतेच ही, मनखेमन तुरते यीसू ला चनि डारनि। 55अऊ मनखेमन आस-पास के जम्मो गांव-गंवई म दऊड़के गीन अऊ बेमरहामन ला चटई अऊ खटिया म उठा-उठाके यीसू करा लाने लगनि। 56अऊ ओह जहिं कहूं भी गांव, नगर या देहात म गीस, मनखेमन बेमरहामन ला सड़क, गली अऊ बजार मन म रखके ओकर ले बनिती करंय की एमन ला कम से कम तोर ओनुढा के छोड़ ला छुवन दे; अऊ जतेक झन ओला छुईन, ओ जम्मो झन बने हो गीन।

सुध अऊ असुध

(मत्ती 15:1-9)

7 तब फरीसी अऊ कतको कानून के गुरू, जऊन मन यरूसलेम ले आय रहिन, यीसू करा जुरनि। 2अऊ ओमन ओकर कुछू चेलामन ला बगिर हांथ धोय खाना खावत देखनि। 3फरीसी अऊ जम्मो यहूदी मन, अपन पुरखा के रीत के मुताबिक जब तक अपन हांथ ला नई धो लहीं तब तक खाना नई खावंय। 4जब बजार ले घलो आवंय, त जब तक अइसने अपन हांथ ला नई धो लेवंय, तब तक खाना नई खावंय। अऊ ओमन अइसने कतेक अऊ रीत-रिवाज ला मानंय, जइसने कटोरी, लोटा अऊ तांबा के बरतन ला धोवई-मंजई।

5एकरसेती ओ फरीसी अऊ कानून के गुरू मन यीसू ले पुछनि, “काबर तोर चेलामन, पुरखामन के रीत-रिवाज के मुताबिक नई चलंय अऊ बगिर हांथ धोवय खाना खावत हवंय?”

6ओह जबाब देके कहसि, “यसायाह अगमजानी ह तुम ढोंगीमन के बारे म ठीकेच अगमबानी करे हवय, जइसने कबिचन म लिखे हवय: ‘ए मनखेमन मुहूं ले तो मोर आदर करथंय, पर एमन के मन ह मोर ले दूरहिया रहथि। 7एमन बिना मतलब के मोर भक्ती करथंय; एमन मनखेमन के बनाय नियम ला परमेसर के नियम कहकि सखिथें।’

8तुमन परमेसर के हुकूम ला टारके मनखेमन के रीत-रिवाज ला मानथव।”

9अऊ यीसू ह ओमन ला कहसि, “परमेसर के हुकूम ला टारके, अपन रीत-रिवाज ला माने के, तुम्हर करा बहुंत बढ़िया तरिका हवय। 10काबरका मूसा ह कहे हवय, ‘अपन दाई-ददा के आदरमान करव अऊ जऊन कोनो अपन दाई या ददा के बारे म खराप बात कहथि, ओह मार डारे जावय।’ 11पर तुमन कहथिव कि यदि कोनो अपन ददा या दाई ले कहय कि जऊन कुछू तोला मोर ले फायदा हो सकत रहिसि, मेंह ओला परमेसर ला दे चुके हवव अऊ एला कुरबान कहथिय। 12तब तुमन ओला अपन ददा या दाई खातिर अऊ कुछू करन नई देवव। 13ए कसिम ले तुमन अपन बनाय रीत-रिवाज के दुवारा परमेसर के बचन ला टार देखव अऊ तुमन अइसने-अइसने कतको अऊ काम करथव।”

14तब यीसू ह मनखेमन ला अपन करा बलाके कहसि, “जम्मो इन मोर गोठ ला सुनव अऊ समझे के कोससि करव। 15अइसने कोनो चीज नई ए, जऊन ह मनखे म बाहिर ले हमाके असुध करय, पर जऊन चीज मनखे के भीतर ले नकिरथे, ओहीच ह ओला असुध करथे। 16जेकर सुने के कान हवय, ओह सुन ले।”

17जब यीसू ह भीड़ ला छोड़के घर के भीतर गीस, तब ओकर चेलामन ए पटंतर के बारे म ओला पुछनि? 18ओह कहसि, “का तुमन घलो नासमझ अव? का तुमन नई जानव कि जऊन चीज ह बाहिर ले मनखे के भीतर हमाथे, ओह ओला असुध नई कर सकय। 19काबरका ओह मनखे के हरिदय म नई, पर पेट म जाथे अऊ फेर संडास दुवारा देह ले बाहिर नकिर जाथे।” ए कहे के दुवारा यीसू ह जम्मो खाय के चीजमन ला सुध ठहराईस।

20फेर ओह कहसि, “जऊन ह मनखे के भीतर ले नकिरथे, ओहीच ह ओला असुध करथे। 21काबरका भीतर ले याने कि मनखे के हरिदय ले खराप सोच-बिचार, छिनारी,

चोरी, हतिया, काम-बासना, 22लोभ, दुस्दता, छल, उघरापन, जलन, ननिदा, अहंकार अऊ गंवारपन नकिरथे। 23ए जम्मो खराप चीज हरिदय के भीतर ले नकिरथे अऊ मनखे ला असुध करथे।”

एक माईलोगन के बसिवास

(मत्ती 15:21-28)

24यीसू ह ओ जगह (गलील) ला छोड़के सूर सहर के इलाका म गीस अऊ उहां ओह एक ठन घर म गीस अऊ चाहत रहिसि कि ओकर बारे म कोनो इन जानय, पर ए बात ह छपि नई रहे सकसि। 25ओतकीच बेर एक माईलोगन, जेकर नानकून बेटी म असुध आतमा रहय, ओकर करा आईस। ओह यीसू के बारे म सुने रहय अऊ अब आके ओकर गोड़ खाल्हे म गरिसि। 26ओ माईलोगन ह आनजात (यूनानी) के रहिसि अऊ सुरूपनीकी जाति म जनमे रहिसि। ओह यीसू ले बनिती करके कहसि कि असुध आतमा ला ओकर बेटी ले नकिर दे।

27यीसू ह ओला कहसि, “पहिली लइकामन ला पेट-भर खावन दे। काबरका ए ठीक नो हय कि लइकामन के रोटी ला लेके कुकुरमन ला दियि जावय।”

28तब ओ माईलोगन ह कहसि, “एह सही अय, परभू। तभो ले कुकुरमन घलो मेज के खाल्हे म लइकामन के जूठा-काठा ला खा लेंथें।”

29यीसू ह ओला कहसि, “तेह सही कहय। जा, असुध आतमा ह तोर बेटी ले नकिर गे हवय।”

30तब ओह अपन घर जाके देखसि कि ओकर लइका ह खटिया म लेटे हवय अऊ असुध आतमा नकिर गे रहय।

यीसू ह एक कौदा-भैरा मनखे ला बने करथे

31तब यीसू ह सूर सहर के इलाका ले नकिरके सैदा होवत, गलील के झील के खाल्हे दस सहर के इलाका म आईस। 32उहां मनखेमन एक भैरा अऊ कौदा मनखे ला ओकर करा लाननि अऊ ओकर ले

बनिती करनि की ओह ओ मनखे ऊपर अपन हाथ रखके ओला बने करय।

33तब यीसू ह ओला भीड़ ले अलग ले जाके अपन अंगरी ला मनखे के कान म डारसि अऊ थूकसि, अऊ थूक ला लेके ओकर जीभ ला छुईस। 34अऊ स्वरग कीर्ती नहिरके सांस भरसि अऊ ओ मनखे ला कहसि, “इफ्ततह, जेकर मतलब होथे ‘खुल जा’।” 35ओतकीच बेर ओ मनखे के कानमन खुल गीन अऊ जीभ घलो ठीक हो गीस अऊ ओह साफ-साफ सुने अऊ गोठियाय लगसि।

36यीसू ह ओमन ला चेताके कहसि की ए बात कोनो ला ज्ञान बतावव, पर जतका ओह ओमन ला चेताईस, ओतका ओमन ओ बात ला अऊ बताय लगनि। 37मनखेमन बहुंत अचम्भो करके कहन लगनि, “जऊन कुछ ओह करथे, बहुंत बढ़िया करथे। इहां तक की ओह भैरामन ला सुने के अऊ कौदामन ला गोठियाय के सकृता देथे।”

यीसू ह चार हजार मनखेमन ला खाना खावथे

(मत्ती 15:32-39)

8 ओ समय म फेर एक बड़े भीड़ जुर गीस अऊ ओमन करा खाय बर कुछू नई रहिसि। एकरसेती यीसू ह अपन चेलासन ला बलाके कहसि, “2‘मोला ए मनखेमन ऊपर तरस आवत हवय। एमन तीन दिन ले मोर संग हवय अऊ ओमन करा खाय बर कुछू नई ए। 3यदी मेंह एमन ला भूखन पेट घर पठो दंव, त रसताच म थकके गरि जाहीं, काबरकी एमन ले कतको ज्ञान अब्बड़ दूरहा ले आय हवय।”

4ओकर चेलासन कहनि, “ए सुनसान जगह म कोनो कहां ले अतेक रोटी पाही की एमन पेट भर खा सकय।”

5यीसू ह पुछसि, “तुम्हर करा के ठन रोटी हवय?”

ओमन कहनि, “सात ठन।”

6तब ओह मनखेमन ला भुइयां म बईठे बर कहसि अऊ सातों रोटी ला लेके परमेसर ला धनबाद दीस अऊ रोटीमन ला टोर-टोरके

अपन चेलासन ला देवत गीस की ओमन मनखेमन ला परोसय अऊ ओमन मनखेमन ला परोसत गीन। 7ओमन करा कुछू छोटे-छोटे मछरी घलो रहिसि, ओकर बर घलो यीसू ह परमेसर ला धनबाद दीस अऊ चेलासन ला कहसि—एला घलो मनखेमन ला बांट देवव। 8मनखेमन खाके अघा गीन; ओकर बाद चेलासन बांचे खुचे टुकड़ा के सात टुकना भर के उठाईन। 9उहां करीब चार हजार मरद रहनि। ओकर बाद ओह ओमन ला बंदि करसि। 10एकर बाद, ओह तुरतेच अपन चेलासन संग डोंगा म चघसि अऊ दलमनूता के इलाका म चल दीस।

11तब फरीसीमन आके ओकर संग बहस करन लगनि अऊ परखे खातर ओला स्वरग ले कोनो चनिहां देखाय बर कहनि। 12ओह आतमा म दुखति होके कहसि, “काबर ए पीढ़ी के मनखेमन चनिहां के मांग करथे? मेंह तुमन ला सच कहत हंव की एमन ला कोनो चनिहां नई दयि जावय।” 13तब ओह ओमन ला छोंड़के फेर डोंगा म चघसि अऊ ओ पार चल दीस।

फरीसीमन के अऊ हेरोदेस के खमीर

(मत्ती 16:5-12)

14चेलासन रोटी लाने बर भुला गे रहनि अऊ डोंगा म ओमन करा सरिपि एके ठन रोटी रहिसि। 15यीसू ह ओमन ला चेताके कहसि, “फरीसीमन के खमीर अऊ हेरोदेस के खमीर ले सचेत रहव।” 16ओमन एक-दूसर ले एकर बारे म सोच-बिचार करनि अऊ कहनि, “हमन रोटी लाने बर भुला गे हवन, तेकर बारे म ओह गोठियावत होही।”

17ओमन के सोच-बिचार ला जानके यीसू ह ओमन ले पुछसि, “तुमन काबर अइसने सोचत हव की हमर करा रोटी नई ए? का तुमन अब तक नई जानत अऊ समझत हवव? का तुम्हर हरिदय ह कठोर हो गे हवय? 18का तुमन आंखी के रहत नई देखत हवव अऊ कान के रहत नई सुनत हवव? का तुमन ला कुछू सुरता नई ए? 19जब मेंह पांच ठन रोटी म ले पांच हजार मनखेमन ला

खवाय रहेंव, त तुमन, के ठन टुकनी भर के टुकड़ामन ला उठाय रहेव?”

ओमन कहनि, “बारह टुकनी।”

20“अऊ जब मेंह सात ठन रोटी म ले चार हजार मनखेमन ला खवाय रहेंव, त तुमन के ठन टुकनी भरके टुकड़ामन ला उठाय रहेव?”

ओमन कहनि, “सात टुकनी।”

21ओह ओमन ला कहसि, “का तुमन अब तक नई समझत हवव कखाना ह मोर बर कोनो मायने नई रखय।”

बैतसैदा म यीसू ह एक अंधरा ला बने करथे

22जब ओमन बैतसैदा गांव म आईन, त मनखेमन एक अंधरा ला लाननि अऊ यीसू ले बनिती करनि की ओला छुके बने करय।

23ओह ओ अंधरा मनखे के हाथ ला धरके गांव के बाहरि ले गीस अऊ ओकर आंखी म थूक के ओकर ऊपर अपन हाथ रखसि अऊ ओकर ले पुछसि, “का तोला कुछू देखिथे?”

24ओह आंखी ला उठाके कहसि, “मेंह मनखेमन ला देखत हंव; ओमन मोला एती ओती चलत-फरित रूख सहीं देखित हवय।”

25तब यीसू ह फेर अपन हाथ ला ओकर आंखी ऊपर रखसि, तब ओ मनखे ह नहिारे लगसि अऊ ओकर आंखीमन बने हो गीन अऊ ओह जम्मो ला साफ-साफ देखन लगसि। 26यीसू ह ओला ए कहकिं घर पठोईस किगांव म झन जाबे।

पतरस ह मसीह ला स्वीकार करथे

(मत्ती 16:13-20; लूका 9:18-21)

27यीसू अऊ ओकर चेलासन कैसरिया फलिप्पी के गांवमन म गीन। डहार म ओह अपन चेलासन ले पुछसि, “मनखेमन मोला कोन ए कहथिं?”

28ओमन कहनि, “कुछू मन कहथिं—यूहन्ना बतसिमा देवइया, कोनो-कोनो एलियाह ए कहथिं अऊ कुछू मन तोला अगमजानीमन ले एक झन ए कहथिं।”

29ओह ओमन ले पुछसि, “पर तुमन मोला का कहथिव?”

पतरस ह कहसि, “तेंह मसीह अस।”

30पर यीसू ह ओमन ला चेताके कहसि की ओकर बारे म कोनो ला झन बतावय।

यीसू ह अपन मरितू अऊ फेर जी उठे के अगमबानी करथे

(मत्ती 16:21-23; लूका 9:22)

31तब ओह ओमन ला सखिय के सुरू करसि किमनखे के बेटा के खातरि ए जरूरी अय की ओह बहुंत दुःख उठावय, अऊ ओला अगुवा, मुखिया पुरोहित अऊ कानून के गुरू मन तरिस्कार करय अऊ ओह मार डारे जावय, पर तीन दिन के पाछू ओह फेर जी उठय। 32ओह ए बात ला साफ-साफ कहसि। एकर खातरि पतरस ह ओला अलग ले जाके डांटे लगसि।

33यीसू ह लहुंटके अपन चेलासन कोती देखसि अऊ पतरस ला दबकारके कहसि, “मोर नजर ले दूर हट, सैतान! काबरकी तोर मन ह परमेसर के बात ऊपर नई, पर मनखेमन के बात म हवय।”

34तब ओह भीड़ ला अपन चेलासन संग लकठा बलाके कहसि, “जऊन कोनो मोर पाछू आय चाहथे, ओह अपन खुद के ईछा के तयाग करय अऊ मोर खातरि दुःख उठाय बर तयार रहय। अऊ तब मोर पाछू हो लेवय। 35काबरकी जऊन कोनो अपन परान ला बंचाय चाहथे, ओह सदाकाल के जनिगी ला गंवाही, पर जऊन कोनो मोर अऊ सुघर संदेस के खातरि अपन परान ला गंवाथे, ओह सदाकाल के जनिगी ला बचाही। 36यदी मनखे ह जम्मो संसार ला पा जावय, पर अपन परान ला गंवा दे, त ओला का फायदा? 37का कोनो चीज मनखे के परान ले जादा कीमती अय? 38जऊन कोनो ए छनिारी अऊ पापी पीढ़ी के मनखेमन के आघू म मोर अऊ मोर संदेस ले लजाथे, त मनखे के बेटा ह घलो ओकर ले लजाही, जब ओह अपन ददा के महिमा म पबतिर स्वरगदूतमन संग आही।”

9 यीसू ह ओमन ला ए घलो कहसि, “मेंह तुमन ला सच कहत हंव की कुछू झन जऊन मन इहां ठाढ़े हवय, तब तक नई मरय

जब तक की ओमन परमेसर के राज ला सामरथ के संग आवत नई देख लहीं।”

यीसू के रूपान्तरन

(मत्ती 17:1-13; लूका 9:28-36)

2छै दिन के पाछू, यीसू ह पतरस, याकूब अऊ यूहन्ना ला एक ठन ऊंच पहाड़ ऊपर ले गीस। उहां ओमन के छोड़ अऊ कोनो नई रहिसि। तब ओमन के आघू म यीसू के रूप ह बदल गीस। 3ओकर ओन्हा ह झक पंडरा हो गे अऊ अइसने चमके लगसि कांसंसार म कोनो अइसने उज्जर नई कर सकय। 4अऊ उहां ओमन ला एलियाह अऊ मूसा देखनि, जऊन मन यीसू के संग गोठियावत रहंय।

5तब पतरस ह यीसू ला कहसि, “हे गुरू! हमन ला इहां बहुंत बने लगथे। एकरसेती हमन तीन ठन कुंदरा बनाथन—एक ठन तोर बर, एक मूसा बर अऊ एक एलियाह बर।” 6ओह नई जानत रहय की का कहे जावय, काबरकी ओमन अब्बड़ डर्रा गे रहंय।

7तब एक ठन बादर ओमन ला ढांप लीस अऊ ओ बादर म ले ए अवाज आईस, “एह मोर मयारू बेटा ए, एकर बात ला सुनव।”

8तब अचानक जब ओमन चारों कीर्ती देखनि, त यीसू के छोड़ अऊ कोनो ला अपन संग नई देखनि।

9जब ओमन पहाड़ ले उतरत रहनि, त यीसू ह ओमन ला हुकूम दीस की जब तक मनखे के बेटा ह मरे म ले नई जी उठय, तब तक जऊन कुछू तुमन देखे हवव, कोनो ला ज्ञान बतावव। 10ओमन ए बात ला अपन मन म रखनि अऊ ए बचाार करन लगनि की “मरे म ले जी उठे” के का मतलब होथे?

11तब ओमन यीसू ले पुछनि, “कानून के गुरूमन काबर कहथिय की पहिली एलियाह के अवई जरूरी ए।”

12यीसू ह ओमन ला ए जबाब दीस, “ए बात सही अय की एलियाह पहिली आही, अऊ जम्मो चीज ला तयार करही। पर मनखे के बेटा के बारे म ए काबर लिखे हवय की ओह अब्बड़ दुःख उठाही अऊ तुछ समझे जाही? 13पर मेंह तुमन ला कहत हंव की

एलियाह ह आ चुके हवय अऊ जइसने की ओकर बारे म लिखे हवय—ओमन जइसने चाहनि, वइसने ओकर संग बरताव करनि।”

परेत आतमा (कोंदा आतमा) धरे छोकरा के बने होवई

(मत्ती 17:14-21; लूका 9:37-43)

14जब यीसू अऊ ओकर तीनों चेलासन बाकी चेलासन करा आईन, त देखनि एक भारी भीड़ ओमन के चारों खूंट जुरे रहय अऊ कानून के गुरूमन ओमन के संग बहस करत रहंय। 15यीसू ला देखके मनखेमन चकति हो गीन अऊ ओकर से मल्लि बर दऊड़े लगनि।

16यीसू ह ओमन ले पुछसि, “तुमन एमन संग का बहस करत हव?”

17भीड़ म ले एक ज्ञन जबाब दीस, “हे गुरू, मेंह अपन बेटा ला जऊन म कोंदा आतमा हमा गे हवय, तोर करा लाने रहेव। 18जब भी ओ आतमा ओला धरथे, ओला भुइयां म पटकथे, अऊ ओकर मुहू ले झाग नकिरथे अऊ दांतमन ला कटिकटिथे अऊ अकड़ जाथे। मेंह तोर चेलासन ला कहेंव की ओ आतमा ला नकिार देवय, पर ओमन नकिारे नई सकनि।”

19यीसू ह कहसि, “हे अबसिवासी पीढ़ी के मन! कब तक मेंह तुमहर संग रहिहूं, अऊ कब तक तुमहर सहत रहिहूं? ओ छोकरा ला मोर करा लानव।”

20तब ओमन ओ छोकरा ला ओकर करा लाननि। जब ओ आतमा ह यीसू ला देखसि, त तुरते ओह छोकरा ला मुरेरसि। ओ छोकरा ह भुइयां म गरिके घोलड़न लगसि अऊ ओकर मुहू ले झाग नकिरत रहय।

21यीसू ह ओ छोकरा के ददा ले पुछसि, “एला कब ले अइसने होथे?”

ओह कहसि, “लड़कापन ले। 22परेत आतमा ह एला मारे बर कभू आगी अऊ कभू पानी म गरिथे। पर कहूं तेंह कुछू कर सकथस, त हमर ऊपर दया करके हमर मदद कर।”

23यीसू ह कहसि, “कहूं तेंह कुछू कर सकथस, एकर का मतलब? का तेंह नई

जानथस काँजऊन ह बसिवास करथे, ओकर बर हर बात हो सकथे।”

24छोकरा के ददा ह तुरते गुलगुला होके कहसि, “मेंह बसिवास करत हंव, परभू! मोर अबसिवास ला दूर करे बर मोर मदद कर।”

25जब यीसू ह देखसि काँ भीड़ ह बढ़थे, त ओह परेत आतमा ला दबकारके कहसि, “हे भैरा अऊ कौंदा आतमा! मेंह तोला हुकूम देवत हंव काँ ओम ले नकिर जा अऊ ओम फेर कभू झन हमाबे।”

26ओ आतमा ह चचियाके छोकरा ला अब्बड़ मुरेरसि अऊ ओम ले नकिर गीस। तब ओ छोकरा ह मरे सहीं हो गे, अऊ बहुंत झन कहन लगनि, “ओह मर गीस।” 27पर यीसू ह ओकर हांथ ला धरके ओला उठाईस अऊ ओह ठाढ़ हो गीस।

28यीसू के घर के भीतर जाय के पाछू, अकेला म ओकर चेलामन ओकर ले पुछनि, “हमन काबर ओ परेत आतमा ला नकिर नई सकें?”

29ओह कहसि, “ए कसिम के आतमा ह पराथना के छोंड़ अऊ कोनो उपाय ले नई नकिरय।”

30ओमन ओ जगह ला छोंड़के गलील प्रदेश म होवत जावत रहिनि अऊ यीसू नई चाहत रहिसि काँ कोनो ओमन के ठकाना के बारे म जानंय। 31काबरकाँ ओह अपन चेलामन ला सखिओवत रहिसि। ओह ओमन ला कहसि, “मनखे के बेटा ह मनखेमन के हांथ म पकड़वाय जाही अऊ ओमन ओला मार डारहीं अऊ मरे के तीन दिन के पाछू ओह जी उठही।” 32पर ए गोठ ह ओमन के समझ म नई आईस अऊ ओमन एकर बारे म ओकर ले पुछे बर डर्रावत रहिनि।

सबले बड़े कोन

(मत्ती 18:1-5; लूका 9:46-48)

33फेर ओमन कफरनहूम सहर म आईन अऊ घर म आके यीसू ह चेलामन ले पुछसि, “रसता म तुमन का गोठ ला लेके बहस करत रहेव?” 34पर ओमन चुपेचाप रहिनि, काबरकाँ डहार म ओमन ए बहस करत

रहिनि काँ ओमन के बीच म सबले बड़े कोन ए।

35बईठे के पाछू, यीसू ह बारह चेलामन ला बलाके कहसि, “कहूँ कोनो सबले बड़े होय चाहथे, त ओह सबले छोटे अऊ सबके सेवक बनय।”

36तब ओह एक छोटे लइका ला लेके ओमन के बीच म ठाढ़ करसि अऊ ओला अपन कोरा म पाके ओमन ला कहसि, 37“जऊन कोनो मोर नांव म अइसने छोटे लइका ला गरहन करथे, ओह मोला गरहन करथे, अऊ जऊन कोनो मोला गरहन करथे ओह सरिपि मोला नई, पर मोर पठोइया (परमेसर) ला घलो गरहन करथे।”

जऊन ह हमर बरिध म नई ए, ओह हमर संग हवय

(लूका 9:49-50)

38यूहन्ना ह यीसू ला कहसि, “गुरूजी! हमन एक मनखे ला तोर नांव म परेत आतमामन ला नकिरत देखेन, अऊ हमन ओला कहेंन काँ अइसने झन कर। काबरकाँ ओह हमर संग के नो हय।”

39यीसू ह कहसि, “ओला झन रोकव। अइसने कोनो नई ए जऊन ह मोर नांव म चमतकार के काम करय अऊ तुरते मोर बारे म खराप बात बोल सकय। 40काबरकाँ जऊन ह हमर बरिध म नई ए, ओह हमर संग हवय। 41कहूँ कोनो तुमन ला मोर नांव म, मसीह के मनखे जानके एक गल्लास पानी देखे, त मेंह तुमन ला सच कहत हंव, ओह एकर इनाम जरूर पाही।”

दूसर ला पाप म फंसई

(मत्ती 18:6-9; लूका 17:1-2)

42“अऊ ए छोटे मन, जऊन मन मोर ऊपर बसिवास करथे, कहूँ कोनो एमन के पाप म परे के कारन बनथे, त ओकर बर बने होतसि काँ एक ठन बड़े चकिया के पथरा ला ओकर घेंच म बांधके ओला समुंदर म फटकि दिये जावय। 43-44कहूँ तोर हांथ ह तोर ले पाप करवाथे, त ओला काट डार। ठुठुवा होके सदाकाल के जनिगी म परवेस करई ह बने

अय, एकर बनसिपत की दूनों हांथ के रहत, तोला नरक के आगी म डारे जावय, जऊन ह कभू नई बुथावय। 45अऊ कहुं तोर गोड़ ह तोर ले पाप करवाथे, त ओला काट डार। 46तोर बर ए बने होही की तेंह खोरवा होके सदाकाल के जनिगी म परवेस कर, एकर बनसिपत की दूनों गोड़ के रहत, तोला नरक म डारे जावय। 47अऊ कहुं तोर आंखी ह तोर ले पाप करवाथे, त ओ आंखी ला नकारि दे। तोर बर ए बने होही की कनवां होके परमेसर के राज म परवेस कर, एकर बनसिपत की दूनों आंखी के रहत, तोला नरक म डारे जावय, 48जहिं कीरा ह कभू नई मरय अऊ आगी ह कभू नई बुथावय। 49काबरकी हर एक मनखे आगी के दुवारा नूनचूर करे जाही।

50नून ह बने ए। पर कहुं एह अपन सुवाद ला गंवा देथे, त तुमन एला फेर कइसने नूनचूर कर सकथव? एकर खातरि सुध जनिगी जीये के दुवारा अपन म नून के सुवाद रखव, अऊ एक-दूसर के संग मलि जरुके रहव।”

तलाक के बारे म यीसू के सकिछा

(मत्ती 19:1-12; लूका 16:18)

10 तब यीसू ह ओ जगह ला छोड़के यहूदिया के सीमना अऊ यरदन नदी के ओ पार गीस। अऊ भीड़ ह फेर ओकर करा जरु गीस अऊ अपन रीति के मुताबकि ओह फेर ओमन ला उपदेस देवन लगसि।

2तब कुछू फरीसीमन आके ओला परखे बर पुछन लगनि, “कहुं कोनो मरद ह अपन घरवाली ला छोड़ देथे, त का एह परमेसर के बचन के मुताबकि अय?”

3ओह ओमन ला कहसि, “मूसा ह तुमन ला का हुकूम दे हवय?”

4ओमन कहनि, “मूसा ह मरद ला तथिग पतर लिखके अपन घरवाली ला छोड़े के हुकूम दे हवय।”

5यीसू ह कहसि, “तुम्हर हरिदय के ढिंढी के कारन मूसा ह अइसने हुकूम तुम्हर बर लिखे हवय। 6पर ए संसार के सुरू म परमेसर ह ओमन ला नर अऊ नारी करके बनाईस।

7एकरे कारन मरद ह अपन दाई-ददा ले अलग होके अपन घरवाली संग रहहि। 8अऊ ओ दूनों एक तन होहीं। ओमन अब दू नई, पर एक अंय। 9एकरसेति, जऊन ला परमेसर ह जोड़े हवय, ओला मनखे अलग झन करय।”

10जब ओमन घर के भीतर आईन, त चेलामन एकर बारे म यीसू ले फेर पुछनि। 11ओह कहसि, “जऊन कोनो अपन घरवाली ला छोड़के आने माईलोगन ले बहिाव करथे, त ओह पहिली घरवाली के बरिोध म छिनारी करथे। 12अऊ कहुं, कोनो माईलोगन ह अपन घरवाला ला छोड़के आने मनखे ले बहिाव करथे, त ओह घलो छिनारी करथे।”

यीसू अऊ छोटे लइकामन

(मत्ती 19:13-15; लूका 18:15-17)

13मनखेमन छोटे लइकामन ला यीसू करा लाने लगनि की ओह ओमन ऊपर अपन हांथ रखय, पर चेलामन मनखेमन ला दबकारे लगनि। 14जब यीसू ह एला देखसि, त नाराज होके ओमन ला कहसि, “लइकामन ला मोर करा आवन दव; ओमन ला मना झन करव, काबरकी परमेसर के राज ह अइसने मन बर अय। 15मेंह तुमन ला सच कहत हंव की जऊन कोनो परमेसर के राज ला छोटे लइका सहीं गरहन नई करय, ओह ओम कभू परवेस करन नई सकय।” 16अऊ ओह लइकामन ला अपन कोरा म पाईस अऊ ओमन ऊपर अपन हांथ रखके ओमन ला आससि दीस।

धनी मनखे

(मत्ती 19:16-30; लूका 18:18-30)

17जब यीसू ह फेर डहार म जावत रहिसि, त एक मनखे दऊड़के आईस अऊ ओकर गोड़ खालहे माड़ी के भार गरिके ओकर ले पुछसि, “हे बने गुरू! सदाकाल के जनिगी पाय बर मेंह का करव?”

18यीसू ह ओला कहसि, “तेंह मोला काबर बने कहत हवस? कोनो बने नो हंय, सरिपि एके झन—परमेसर के छोड़। 19तेंह हुकूमन ला त जानत हवस: ‘हतिया झन करव, छिनारी झन करव, चोरी झन करव, लबारी

गवाही झन देवव, कोनो ला झन ठगव, अपन दाई-ददा के आदर-मान करवा।”

20ओ मनखे ह कहसि, “हे गुरू! ए जम्मो ला मेंह अपन लइकापन ले मानत आवत हंवत।”

21ओला देखके, यीसू ला ओकर ऊपर मया आईस, अऊ यीसू ह ओला कहसि, “तोर म एक बात के कमी हवय। जा, जऊन कुछ तोर करा हवय, ओला बेंचके गरीबमन ला देय दे, तब तोला स्वरग म संपत्ति मिली। तब आ अऊ मोर पाछू हो ले।”

22एला सुनके ओ मनखे के चेहरा ह उतर गे अऊ ओह उदास होके उहां ले चल दीस, काबरकी ओह अब्बड़ संपत्ति वाला रहिसि।

23यीसू ह चारों कोर्ता देखके अपन चेलापन ला कहसि, “धनवानमन के परमेसर के राज म जवई बहुत कठनि ए।”

24चेलापन ओकर बात ला सुनके चकति हो गीन। पर यीसू ह फेर कहसि, “हे लइकामन हो! परमेसर के राज म जवई कतेक कठनि ए। 25परमेसर के राज म एक धनवान के परवेस करई के बनसिपत, ऊंट के सुजी के छेदा म ले नकिर जवई ह सहज ए।”

26चेलापन अऊ चकति होके एक-दूसर ला कहनि, “त फेर कोन ह उद्धार पा सकथे?”

27यीसू ह ओमन ला देखसि अऊ कहसि, “मनखेमन के दुवारा एह नई हो सकय, पर परमेसर के दुवारा हो सकथे, काबरकी परमेसर बर कोनो बात ह असंभव नो हय।”

28पतरस ह ओला कहसि, “देख, हमन तो जम्मो कुछ ला छोड़के तोर पाछू हो ले हवन।”

29यीसू ह कहसि, “मेंह तुमन ला सच कहत हंव कि जऊन कोनो, मोर अऊ सुघर संदेस बर अपन घर या भाई या बहनी या दाई या ददा या लइकामन या खेत-खार ला छोड़ दे हवय, 30ओह ए समय म ए चीजमन ला सौ गुना पाही (घर, भाई, बहनी, दाई, लइका अऊ खेत-खार—अऊ संग म सतावा) अऊ अवइया समय म ओला सदाकाल के जनिगी मिली। 31पर बहुत झन जऊन मन

अभी आघू म हवय, ओमन आखरी म हो जाहीं अऊ जऊन मन आखरी म हवय, ओमन आघू हो जाहीं।”

यीसू ह फेर अपन मरितू के अगमबानी करथे
(मत्ती 20:17-19; लूका 18:31-34)

32ओमन यरूसलेम के डहार म रहनि अऊ यीसू ह आघू-आघू रेंगत रहय। चेलापन घबरा गे रहय अऊ पाछू रेंगइया मन डर्रा गे रहय। यीसू ह फेर बारहों झन ला अलग ले जाके ओमन ला बताय लगसि की ओकर संग का होवइया हवय। 33ओह कहसि, “देखव, हमन यरूसलेम जावत हन अऊ मनखे के बेटा ला पकड़े जाही अऊ मुखिया पुरोहित अऊ कानून के गुरू मन करा लाय जाही, अऊ ओमन ओला मार डारे के सजा दीहीं अऊ ओला ओमन आनजातमन के हाथ म सकुंय दीहीं। 34ओ आनजातमन ओकर हंसी उड़ाहीं अऊ ओकर ऊपर थूकहीं अऊ ओला कोर्रा म मारहीं अऊ ओला मार डारहीं। पर तीन दिन के पाछू ओह जी उठही।”

याकूब अऊ यूहन्ना के बनिती

(मत्ती 20:20-28)

35तब जबदी के बेटा याकूब अऊ यूहन्ना ओकर करा आके कहनि, “हे गुरू, हमन चाहथन कि जऊन कुछ हमन तोर ले मांगबो, ओही ला तेंह हमर बर कर।”

36ओह पुछसि, “तुमन का चाहथव की मेंह तुम्हर बर करंव?”

37ओमन कहनि, “तोर राज म जब तेंह सधिसन म बईठबे, त हमर दूनों म के एक झन ला तोर जेवनी अऊ दूसर ला तोर डेरी कोर्ता बईठन देबे।”

38तब यीसू ह ओमन ला कहसि, “तुमन नई जानत हव की तुमन का मांगत हव? जऊन दुःख के कटोरा म ले मेंह पीवइया हवंव, का तुमन ओम ले पी सकहू? या जऊन पीरा के बतसिमा ला मेंह लेवइया हवंव, का तुमन ओ बतसिमा ला ले सकहू?”

39ओमन कहनि, “हमर ले ए हो सकथे।” तब यीसू ह ओमन ला कहसि, “जऊन कटोरा म ले मेंह पीहू, ओम ले तुमन पीहू

अऊ जऊन बतसिमा मेंह लूहू, ओला तुमन लूहू, 40पर मोर जेवनी या डेरी कोतर्बईठाय के मोला अधिकार नई ए। ए जगह ओमन के अय, जऊन मन बर एह तयार करे गे हवय।”

41जब आने चेलामन एकर बारे म सुननि, त ओमन याकूब अऊ यूहन्ना ऊपर खसियाय लगनि। 42एकरसेती यीसू ह ओमन ला एक संग अपन लकठा म बलाके कहसि, “जइसने की तुमन जानथव, जऊन मन आनजातमन के हाकमि समझे जाथें, ओमन आनजातमन ऊपर परभूता करथें अऊ ओमन के बड़े अधिकारीमन ओमन ऊपर अधिकार जमाथें। 43तुम्हर संग अइसने नो हय। पर तुमन ले जऊन ह बड़े होय चाहथे, ओह तुम्हर सेवक बनय, 44अऊ जऊन ह सबले पहिली होय चाहथे, ओह जम्मो झन के गुलाम बनय। 45काबरकी मनखे के बेटा ह ए खातरि नई आय हवय की ओकर सेवा करे जावय, पर ए खातरि आय हवय की ओह सेवा करय, अऊ बहुंत झन के छुड़ौती खातरि अपन परान ला देवय।”

बरतमाई अंधरा देखन लगथे

(मत्ती 20:29-34; लूका 18:35-43)

46तब यीसू अऊ ओकर चेलामन यरीहो सहर म आईन अऊ जब ओमन एक बड़े भीड़ के संग यरीहो ले नकिरके जावत रहनि, त तमाई के बेटा बरतमाई नांव के एक मनखे, जऊन ह अंधरा रहिसि, सड़क के तीर म बईठके भीख मांगत रहय। 47ओह ए सुनके की नासरत के यीसू अय, चचियाके कहसि, “हे दाऊद के संतान, यीसू! मोर ऊपर दया कर।”

48कतको झन ओला दबकारके कहनि, “चुपे रह।” पर ओह अऊ चचियाके कहसि, “हे दाऊद के संतान! मोर ऊपर दया कर।”

49जब यीसू ह सुनसि, त ठाढ़ होके कहसि, “ओला इहां बलावव।”

तब मनखेमन ओ अंधरा ला बलाके कहनि, “खुसी मना अऊ उठ। ओह तोला बलावत हवय।” 50ओह अपन ओढ़ना ला

फटक दीस अऊ कूदके ठाढ़ हो गीस अऊ यीसू करा आईस।

51यीसू ह ओकर ले पुछसि, “तेंह का चाहत हस की मेंह तोर बर करंव?”

ओ अंधरा ह कहसि, “हे गुरू! मेंह देखे बर चाहत हंव।”

52यीसू ह कहसि, “जा, तोर बसिवास ह तोला बने करे हवय।” अऊ ओह तुरते देखन लगसि अऊ डहार म यीसू के पाछू हो लीस।

यीसू के यरूसलेम जवई

(मत्ती 21:1-11; लूका 19:28-40; यूहन्ना

12:12-19)

11 जब यीसू अऊ ओकर चेलामन यरूसलेम के लकठा म जैतून पहाड़ के बैतफगे अऊ बैतनयिह के तीर म आईन, त यीसू ह अपन दू झन चेला ला ए कहकि पठोईस, 2“तुमन आघू के गांव म जावव, अऊ जइसने ही उहां हबरहिव, तुमन ला एक ठन गदही के बछरू बंधाय मलिही, जेकर ऊपर कभू कोनो सवारी नई करे हवय। ओला ढलि के इहां ले आवव। 3कहूं तुमन ला कोनो पुछय की अइसने काबर करत हव? त ओला कहव की परभू ला एकर जरूरत हवय, अऊ ओह जल्दी ओला इहां पठो दीही।”

4ओमन गीन अऊ एक ठन गदही के बछरू ला गली म, एक ठन घर के बाहरि बंधाय पाईन, अऊ ओमन जब ओला ढलिन लगनि, 5त जऊन मन उहां ठाढ़ रहय, ओमन पुछनि, “ए गदही के बछरू ला काबर ढीलत हवव?” 6जइसने यीसू ह ओमन ला कहे रहिसि, ओमन वइसनेच कहनि। तब मनखेमन ओमन ला जावन दीन। 7ओमन गदही के बछरू ला यीसू करा लानके, ओकर ऊपर अपन ओढ़नामन ला डालनि अऊ यीसू ह ओकर ऊपर बईठ गीस। 8अऊ कतको झन अपन ओढ़ना ला ओकर आघू, डहार म डालनि अऊ कतको झन खेतमन के डारामन ला काटके डहार म बछि दीन।

9जऊन मन ओकर आघू-आघू जावत अऊ जऊन मन पाछू-पाछू आवत रहय, ओमन चचिया-चचियाके कहत रहनि,

“होसाना (जेकर मतलब होथे ‘जय होवय’)| धइन ए ओह, जऊन ह परभू के नांव म आवत हवय। 10धइन ए हमर पुरखा दाऊद राजा के अवइया राज के। होसाना, स्वरग म।”

11यीसू ह यरूसलेम म आके यहूदीमन के मंदिर म गीस अऊ चारों खूंट जम्मो चीजमन ला देखके अपन बारहों चेलावन संग बैतनयाह चल दीस, काबरकी सांझ हो गे रहय।

यीसू ह अंजीर के रूख ला सराप देथे

(मत्ती 21:18-19)

12ओकर दूसर दिन जब ओमन बैतनयाह ले जावत रहिन, त यीसू ला भूख लगसि। 13थोरकन दूरिहा म, एक ठन हरिहर अंजीर के रूख ला देखके, यीसू ह ए सोचके उहां गीस की ओ रूख म कुछ फर होही, पर ओह जब उहां गीस, त ओला उहां पान के छोंड़ कुछ नई मलिसि, काबरकी ओह फर के मौसम नई रहिसि। 14तब ओह रूख ला कहसि, “अब ले फेर तोर म फर कभू इन लगय।” अऊ ओकर चेलावन ए गोठ ला सुनत रहिन।

15ओमन यरूसलेम सहर म आईन। अऊ यीसू ह मंदिर म गीस, अऊ जऊन मन उहां बेचे अऊ बसोय के काम करत रहंय, ओमन ला बाहरि नकारे के सुरू करसि। अऊ रूपिया के अदला-बदली करइया अऊ पंडकी बेचइया मन के मेजमन ला उलट-पुलट दीस। 16अऊ मंदिर के सीमना म कोनो ला लेन-देन करे के सामान लेके आवन-जावन नई दीस। 17ओह ओमन ला उपदेस देके कहसि, “का परमेसर के बचन म ए नई लिखे हवय:

‘मोर घर ह जम्मो देस के मनखेवन बर पराथना के घर होही? पर तुमन एला डाकूमन के खोड़रा बना दे हवय।’ ”

18एला सुनके, मुखिया पुरोहित अऊ कानून के गुरू मन ओला मार डारे के मऊका खोजन लगनि, पर ओमन ओकर ले डर्रावत रहिन।

काबरकी भीड़ के जम्मो मनखेवन ओकर उपदेस ला सुनके चकति होवत रहिन।

19जब सांझ होईस, त यीसू अऊ ओकर चेलावन सहर ले बाहरि चल दीन।

सूखा अंजीर रूख

(मत्ती 21:20-22)

20बहिनियां, जब ओमन जावत रहिन, त देखनि की ओ अंजीर के रूख ह जरमूर ले सूखा गे रहय। 21तब पतरस ह ओ गोठ ला सुरता करके यीसू ला कहसि, “हे गुरू! देख, ए अंजीर के रूख जऊन ला तेंह सराप दे रहय, सूखा गे हवय।”

22यीसू ह ओमन ला कहसि, “परमेसर ऊपर बसिवास रखव। 23मेंह तुमन ला सच कहत हंव, कहूं कोनो ए पहाड़ ले कहय की जा अऊ समुंदर म गरि जा, अऊ ओह अपन मन म संदेह इन करय, पर परमेसर के ऊपर बसिवास करय की जऊन बात ओह कहत हवय, ओह हो जाही, त ओकर बर वइसनेच करे जाही। 24एकरसेता, मेंह तुमन ला कहत हंव, जऊन कुछ तुमन पराथना म मांगथव, बसिवास करव की ओह तुमन ला मलिही अऊ ओह तुम्हर बर हो जाही। 25जब तुमन ठाढ़ होके पराथना करव, त कहूं तुम्हर मन म काकरो बर कुछ बरिध हवय, त ओला माफ करव, ए खातिर की तुम्हर ददा जऊन ह स्वरग म हवय, तुम्हर अपराध ला माफ करही। 26अऊ कहूं तुमन माफ नई करव, त तुम्हर ददा परमेसर घलो जऊन ह स्वरग म हवय, तुम्हर अपराध ला माफ नई करही।”

यीसू के अधिकार ऊपर सवाल

(मत्ती 21:23-27; लूका 20:1-8)

27ओमन फेर यरूसलेम म आईन अऊ यीसू ह जब मंदिर के सीमना म रेंगत रहिसि, तब मुखिया पुरोहित, कानून के गुरू अऊ अगुवामन ओकर करा आईन 28अऊ पुछनि, “कोन अधिकार ले तेंह ए चीजमन ला करत हवस? अऊ ए जम्मो करे के अधिकार तोला कोन दे हवय?”

29यीसू ह कहसि, “महूं घलो तुमन ला एक ठन गोठ पुछत हंव, ओकर जबाब

मोला देवव, त मेंह तुमन ला बताहूँ कि कोन अधिकार ले मेंह ए जम्मो काम करत हवंव। 30यूहन्ना के बतसिमा देवई, का स्वरग कोर्ता ले रहिसि या मनखे कोर्ता ले? मोला बतावव।”

31तब ओमन आपस म बचिार करन लगनि अऊ कहनि, “कहूँ हमन कहन कि स्वरग ले, त ओह कहिही, फेर तुमन ओकर बसिवास काबर नई करेव? 32अऊ कहूँ हमन कहन कि मनखे कोर्ता ले,” त मनखेमन के डर हवय, काबरकि जम्मो मनखे के बसिवास रहय कि यूहन्ना ह सही म अगमजानी रहिसि।

33ए खातर ओमन यीसू ला जबाब दीन, “हमन नई जानन।”

यीसू ह ओमन ला कहसि, “मेंह घलो तुमन ला नई बतावंव कि कोन अधिकार ले मेंह ए जम्मो काम करत हवंव।”

अंगूर के बारी के करियादारमन के पटंतर

(मत्ती 21:33-46; लूका 20:9-19)

12 तब यीसू ह ओमन ले पटंतर म गोठियाय लगसि अऊ कहसि, “एक मनखे ह अंगूर के बारी लगाईस अऊ बारी के चारों खूंट बाड़ा बांधसि अऊ रस बनाय के खातरि एक ठन खंचवा कोड़सि, अऊ एक ठन मचान घलो बनाईस। अऊ ओ अंगूर के बारी ला, ओह कसिानमन ला रेगहा म देके परदेस चल दीस। 2जब फर के समय आईस, त ओह अपन एक सेवक ला कसिानमन करा पठोईस कि ओह अंगूर के बारी ले ओकर बांटा के फर लानय। 3पर कसिानमन ओला धरके मारनि-पीटनि अऊ ओला जुछा हांथ लहुंटा दीन। 4तब बारी के मालकि ह एक आने सेवक ला ओमन करा पठोईस, पर ओमन ओकर मुड़ी ला फोर दीन अऊ ओकर बेजत्ती करनि। 5बारी के मालकि ह अऊ एक झन ला पठोईस, पर ओमन ओला मार डारनि। ओह अऊ बहुंत झन ला पठोईस, पर ओमन कतको झन ला पीटनि अऊ कतको झन ला मार डारनि। 6अब ओकर करा सरिपि एक झन बांचसि,

ओकर एके मयारू बेटा! आखरि म ओह ए सोचके ओला पठोईस कि ओमन मोर बेटा के आदर करहीं। 7पर जब ओ कसिानमन ओला आवत देखनि, त एक-दूसर ला कहनि, ‘एह वारसि ए। आवव, एला मार डारी, तब अंगूर के बारी ह हमर हो जाही।’ 8अऊ ओमन ओला धरके मार डारनि अऊ अंगूर के बारी के बाहरि फटकि दीन।

9तब अंगूर के बारी के मालकि ह का करही? ओह आके ओ कसिानमन ला मार डारही अऊ अंगूर के बारी ला आने मन ला दे दीही। 10का तुमन परमेसर के ए बचन ला नई पढ़े हवव:

जऊन पथरा ला राज मसित्तीमन बेकार ठहराय रहिनि, ओहीच ह कोना के मुख पथरा हो गीस। 11एह परभू के दुवारा होईस अऊ एह हमर नजर म अद्भूत ए।”

12तब ओमन यीसू ला पकड़े बर चाहनि काबरकि ओमन समझ गे रहय कि ओह ए पटंतर ओमन के बरिध म कहे हवय। पर ओमन मनखेमन ले डर्रावत रहिनि। एकरसेति ओमन ओला छोंड़के चल दीन।

लगान देवई के बारे म सवाल

(मत्ती 22:15-22; लूका 20:20-26)

13बाद म, ओमन यीसू ला गोठ म फंसाय बर कुछू फरीसी अऊ हेरोदी मन ला ओकर करा पठोईन। 14ओमन आके ओकर ले कहनि, “हे गुरू! हमन जानत हवन कि तेंह सत मनखे अस। अऊ काकरो परवाह नई करस, काबरकि तेंह मनखे के मुहूँ देखके नई गोठियावस, पर परमेसर के रसता ला सही-सही बताथस। हमन ए जाने बर चाहथन कि—का महाराजा ला लगान देवई सही ए या गलत? 15हमन ला लगान देना चाही या नई देना चाही?”

यीसू ह ओमन के कपट ला जानके ओमन ला कहसि, “तुमन काबर मोला फंसाय के कोससि करत हव? मोर करा एक ठन चलिहर पईसा लानव कि में देखव।” 16ओमन पईसा

ला लाननि अऊ ओह ओमन ले पुछसि, “एम काकर मूर्ती अऊ नांव लिखाय हवय?”

ओमन कहनि, “महाराजा के।”

17तब यीसू ह ओमन ला कहसि, “जऊन ह महाराजा के अय, ओला महाराजा ला देवव अऊ जऊन ह परमेसर के अय, ओला परमेसर ला देवव।” एला सुनके ओमन अब्बड़ चकति हो गीन।

मरे मन के जी उठे के पाछू—बहिाव

(मत्ती 22:23-33; लूका 20:27-40)

18तब सद्की, जऊन मन कहथिय कां मरे मन के जी उठई होवेच नई, यीसू करा आके पुछनि, 19“हे गुरु! मूसा ह हमर बर लिखे हवय का कहूं काकरो भाई ह बगिर संतान के मर जावय अऊ ओकर बधिवा ह रहीं जावय, त ओकर भाई ह ओ बधिवा ले बहिाव कर ले, अऊ अपन भाई बर संतान पैदा करय। 20सात झन भाई रहिनि। पहिली भाई ह बहिाव करसि अऊ बगिर संतान के मर गीस। 21तब दूसर भाई ह ओकर बधिवा ले बहिाव करसि अऊ ओह घलो बगिर संतान के मर गीस, अऊ वइसनेच तीसरा भाई घलो। 22अइसने होईस का सातों म के काकरो संतान नई होईस अऊ ओमन मर गीन। सबले पाछू ओ माईलोगन घलो मर गीस। 23तब जी उठे के बाद ओह काकर घरवाली होही? काबरका ओह सातों भाईमन ले बहिाव करे रहिसि।”

24यीसू ह ओमन ला कहसि, “का तुमन एकरसेत गलती म नई हवव का तुमन न तो परमेसर के बचन ला जानत हव अऊ न परमेसर के सक्ती ला। 25जब मरे मन जी उठहीं, त ओमन न तो बहिाव करहीं अऊ न कोनो ओमन ले बहिाव करहीं। पर ओमन स्वरग म स्वरगदूतमन सहीं होहीं। 26मरे मन के जी उठे के बारे म, का तुमन मूसा के कतिाब म बरत झाड़ी के बारे म नई पढ़ेव? जहिां परमेसर ह मूसा ले कहसि, ‘मैंह अब्राहम के परमेसर अऊ इसहाक के परमेसर अऊ याकूब के परमेसर अंव।’ 27परमेसर ह मुरदामन के नई, पर जीयत मन

के परमेसर अय। तुमन भारी गलती म परे हवव।”

सबले बड़े हुकूम

(मत्ती 22:34-40; लूका 10:25-28)

28कानून के गुरूमन ले एक झन आके ओमन ला बहस करत सुनसि अऊ ए जानके कां यीसू ह ओमन ला सही जबाब दे हवय, ओह यीसू ले पुछसि, “सबले बड़े हुकूम कते ह अय?” 29यीसू ह कहसि, “सबले बड़े हुकूम ए अय: हे इसरायल सुन! परभू हमर परमेसर ह एके झन परभू अय। 30अऊ तैं अपन परभू परमेसर ला अपन जम्मो हरिदय ले, अऊ अपन जम्मो परान ले, अऊ अपन जम्मो बुद्धि अऊ अपन जम्मो ताकत ले मया कर। 31अऊ दूसरा हुकूम ए अय का तैं अपन पड़ोसी ले अपन सहीं मया कर। एकर ले बड़े अऊ कोनो हुकूम नई ए।”

32ओ मनखे ह कहसि, “तेंह बने कहय गुरु! तोर ए कहई सही अय का परमेसर एके झन अय अऊ ओला छोंड़ कोनो दूसर परमेसर नई ए। 33ओला अपन जम्मो हरिदय अऊ अपन जम्मो समझ अऊ अपन जम्मो ताकत सहति मया करई अऊ अपन पड़ोसी ला अपन सहीं मया करई, जम्मो दान अऊ बलिदान ले बढ़ के अय।”

34जब यीसू ह देखसि का ओ मनखे ह समझके जबाब दे हवय, तब ओह ओला कहसि, “तेंह परमेसर के राज के लकठा म हवस।” अऊ ओकर बाद कोनो ओला कुछ पुछे के हिम्मत नई करनि।

मसीह ह काकर बेटा अय?

(मत्ती 22:41-46; लूका 20:41-44)

35जब यीसू ह मंदिर म उपदेस करत रहिसि, त पुछसि, “कानून के गुरूमन काबर कहथिं का मसीह ह दाऊद के बेटा अय? 36दाऊद ह खुदे पबतिर आतमा म होके कहे हवय:

‘परभू परमेसर ह मोर परभू ले कहसि,

“मोर जेवनी हांथ कोर्ता बईठ,

जब तक कि मैं तोर बईरीमन ला तोर
गोड़ खाल्हे नई कर देवं।”

37 दाऊद ह खुदे ओला परभू कहत हवय।
तब मसीह ह ओकर बेटा कइसने होईस?”

भीड़ के मनखेमन ओकर गोठ ला बड़े
खुसी से सुनत रहिन।

38 यीसू ह अपन उपदेस म कहसि, “कानून
के गुरमन ले सचेत रहव, काबरका ओमन ला
महंगा ओनुंढा पहरिके बजार म घुमई अऊ
जोहार झोंकई बने लगथे, 39 अऊ ओमन
सभा के घर म ऊंचहा आसन अऊ जेवनार
म आदर के ठऊर म बईठे बर पसंद करथें।
40 ओमन बधिवामन ला धोखा देखें, इहां तक
कि ओमन के घर ला घलो हड़प लेथें, अऊ
देखाय बर अब्बड़ बेर तक पराथना करथंय।
अइसने मनखेमन बहुत दंड पाहीं।”

गरीब बधिया के दान

(लूका 21:1-4)

41 यीसू ह चढ़ौतरी के आघू म बईठके
मनखेमन ला मंदिर के भंडार म दान चघावत
देखत रहिसि। कतको धनवान मनखेमन
अब्बड़ अकन पईसा ओम डारनि।
42 अतकी म एक झन गरीब बधिया आईस
अऊ “दू पईसा” डारसि।

43 यीसू ह अपन चेलांमन ला बलाके
कहसि, “मैंह तुमन ला सच कहत हंव कि
ए गरीब बधिया ह मंदिर के भंडार म सबले
जादा डारे हवय। 44 ओ जम्मो झन अपन
बढ़ती धन म ले दे हवंय, पर एह अपन
गरीबी म जऊन कुछू ओकर करा रहिसि,
ओ जम्मो ला चघा दीस, जेम ओकर गुजारा
होवत रहिसि।”

संसार के अंत समय के चनिहां

(मत्ती 24:1-2; लूका 21:5-6)

13 जब यीसू ह मंदिर ले नकिरत
रहिसि, तब ओकर चेलांमन
ले एक झन ओला कहसि, “हे गुरु! देख,
कइसने सुन्दर-सुन्दर पथरा अऊ ओम ले
बने सुन्दर-सुन्दर भवन।”

2 यीसू ह ओला कहसि, “तैंह जऊन बड़े-

बड़े भवन ला देखत हवस? इहां एको ठन
पथरा नई बांचय; जम्मो ह गरिया जाही।”

3 जब यीसू ह जैतून पहाड़ ऊपर मंदिर कोर्ता
मुहूँ करके बईठे रहिसि, तब पतरस, याकूब,
यूहन्ना अऊ अन्दर्यास अलग म ओकर ले
पुछनि, 4 “हमन ला बता कि ए बातमन कब
होही? अऊ जब ए बातमन पूरा होय के समय
आही, तब ओ बखत का चनिहां देखिही?”

5 यीसू ह ओमन ला कहसि, “सचेत रहव
कि कोनो तुमन ला झन भरमावय। 6 कतको
झन मोर नांव म आके कहिहीं कि मैंह मसीह
अंव, अऊ बहुते झन ला भरमाहीं। 7 जब
तुमन लड़ई अऊ युद्ध के चरचा सुनव, त
झन घबराहू काबरका ए बात के होवई जरूरी
ए, पर ओ बखत अंत नई होवय। 8 काबरका
देस ऊपर देस अऊ राज ऊपर राज चढ़ई
करहीं। जगह-जगह म भुइंडोल होही अऊ
अकाल पड़ही। एह लइका जने के पीरा के
सुरआत सहीं होही।

9 अपन बारे म सचेत रहव काबरका
मनखेमन तुमन ला धरके अदालत म ले
जाहीं अऊ तुमन ला यहूदीमन के सभा घर
म पीटहीं। मोर खातिर तुमन हाकमि, अऊ
राजांमन के आघू म ठाढ़ होहूँ कि ओमन ला
मोर गवाही देवव। 10 अऊ एह जरूरी ए कि
सुघर संदेस ह पहिली जम्मो देस म मनखेमन
ला परचार करे जावय। 11 जब ओमन तुमन
ला पकड़के अदालत म ले जावंय, तब आघू
ले फकिर झन करहूँ कि हमन का कहबि।
पर जऊन कुछू तुमन ला ओ घड़ी बताय
जाथे, ओही कहव काबरका बोलइया तुमन
नई, पर पबतिर आतमा अय।

12 ओ समय भाई ह भाई ला अऊ बाप ह
बेटा ला मरवाय बर दूसर के हांथ म सऊंपही
अऊ लइकामन अपन दाई-वदा के बरिध म
होके ओमन ला मरवाय बर दूसर के हांथ
म सऊंपहीं। 13 मोर खातिर, जम्मो मनखेमन
तुमन ले बईरता करहीं, पर जऊन ह आखिरी
तक धीरज धरे रहिही, ओही ह उद्धार पाही।

14 जब तुमन बनिासकारी अब्बड़ घनि
मनखे ला उहां ठाढ़े देखव जहिं ओकर
होना उचित नो हय—पढ़इया ह समझ ले—

तब जऊन मन यहूदिया म होवय, ओमन पहाड़ ऊपर भाग जावय। 15जऊन मनखे ह अपन घर के छानी म होवय, ओह घर के भीतरी ले कुछू लाने बर झन उतरय। 16अऊ जऊन ह खेत म होवय, ओह अपन ओढ़ना लाने बर झन लहुंटय। 17ओ दनि म जऊन माईलोगनमन आसरा (पेट) म होहीं अऊ जऊन दाईमन लइकामन ला गोरस पीयावत होहीं, ओमन खातरि हाय-हाय। 18परमेसर ले बनिती करत रहव की एह जड़काला म झन होवय। 19काबरकी ओ दनिमन म अइसने बपित्ती आही की जब ले परमेसर ह संसार ला रचे हवय, तब ले लेके अब तक न तो अइसने होय हवय अऊ न कभू फेर होही। 20अऊ कहूं परभू ह ओ दनिमन ला घटाय नई होतसि, त कोनो जीवमन नई बांचतनि। पर अपन चुने मनखेमन के खातरि, ओह ओ दनिमन ला घटाईस। 21ओ बखत कहूं कोनो तुमन ला ए कहय की देखव मसीह ह इहां हवय, या देखव मसीह ह उहां हवय, त बसिवास झन करहू। 22काबरकी लबरा मसीह अऊ लबरा अनामजानीमन परगट होहीं अऊ अइसने चनिहां अऊ चमतकार देखाहीं की कहूं हो सकय, त चुने मनखेमन ला घलो भरमा देवय। 23एकरसेती सचेत रहव। मेंह तुमन ला जम्मो बात आघू ले बता दे हवंव।”

मनखे के बेटा के अवाई

(मत्ती 24:29-31; लूका 21:25-28)

24“ओ बपित पड़े के बाद,
ओ दनिमन म सूरज ह अंधियार हो
जाही अऊ चंदा ह अपन अंजोर नई
दही।

25अऊ अकास के जम्मो सक्तुमिन हलाय
जाहीं अऊ तारामन गरि जाहीं।

26तब मनखेमन मनखे के बेटा ला अबूबड़ सक्ती अऊ महिमा के संग बादर म आवत देखहीं। 27अऊ ओह अपन स्वरगदूतमन ला पठोके धरती के ए छोर ले लेके धरती के ओ छोर तक—चारों दगि ले, अपन चुने मनखेमन ला संकेलही।

28अंजीर के रूख ले ए बात सखिव। जब

ओकर डंगालीमन कोंवर हो जाथें अऊ पानामन नकिरे लगथें, तब तुमन जान लेथव की धूपकाला ह लकठा म हवय। 29ओही कसिम ले जब तुमन ए बातमन ला होवत देखव, त जान लेवव की समय ह लकठा म आ गे हवय अऊ सुरू होवइयाच हवय। 30मेंह तुमन ला सच कहत हंव की जब तक ए बातमन नई हो लहीं, तब तक ए पीढ़ी के मनखेमन नई मरंय। 31अकास अऊ धरती ह टर जाही, पर मोर बचन ह कभू नई टरय।”

ओ दनि अऊ समय ह अनजान

(मत्ती 24:36-44)

32“ओ दनि अऊ समय के बारे म कोनो नई जानंय, न स्वरग के दूतमन, न बेटा, पर ओला सरिपि ददा जानथें। 33सचेत अऊ सावधान रहव काबरकी तुमन नई जानव की ओ समय ह कब आही। 34एह ओ मनखे के सहीं अय, जऊन ह परदेस जाथे अऊ जाय के पहिली अपन घर ला अपन सेवकमन के भरोसा म छोड़के ओमन ला अपन-अपन काम बता देथे अऊ घर के चौकीदार ला सचेत रहे के हुकूम देथे।

35ए खातरि सचेत रहव काबरकी तुमन नई जानत हव की घर के मालकि ह कब आ जाही, संझा बखत या आधा रतहिा या कुकरा बासत या बड़े बहिनियां। 36अइसने झन होवय की ओह अचानक आवय अऊ तुमन ला सुतत पावय। 37जऊन बात मेंह तुमन ला कहत हंव, ओहीच बात मेंह जम्मो झन ला कहत हंव—सचेत रहव।”

यीसू के बरिध म सडयंत्र

(मत्ती 26:1-5; लूका 22:1-2; यूहन्ना 11:45-53)

14 दू दनि के पाछू, फसह अऊ बगिर खमीर के रोटी के तहिर होवइया रहिसि। अऊ ओ समय मुखिया पुरोहित अऊ नयिम के सखिइया मन ए ताक म रहिनि की यीसू ला कइसने चुपेचाप पकड़के मार डारंय। 2पर ओमन कहनि, “तहिर के बखत म अइसने नई करन। कहूं अइसने झन होवय की मनखेमन म हुड़दंग हो जावय।”

3ओ समय म, जब यीसू बैतनयाह म समिोन कोढी के घर म खाना खावत रहिसि, तब एक झन माईलोगन ह संगमरमर के पथरा के चुकिया म जटामासी के अब्बड़ महंगा इतर तेल लेके आईस, अऊ ओह चुकिया ला फोरके इतर ला यीसू के मुड़ ऊपर रतिोईस।

4उहां कुछू मनखेमन खसियाके एक-दूसर ला कहन लगनि, “ए इतर ला काबर बरबाद कर दीस? 5एला बेंचे रहे ले तीन सौ दिन के बनी ले घलो जादा पईसा मलि रहतिसि, जऊन ला गरीबमन म बांटे जा सकत रहिसि।” अऊ ओमन ओकर ऊपर अब्बड़ खसियाईन।

6यीसू ह कहसि, “ओला छोड़ दव। ओला काबर सतावत हवव? ओह तो मोर संग सुघर बुता करे हवय। 7गरीबमन तुम्हर संग हमेसा रहिहीं अऊ तुमन जब चाहव, तब ओमन के मदद कर सकत हव, पर मेंह तुम्हर संग हमेसा नई रहंव। 8जऊन कुछू ओह कर सकत रहिसि, ओह करसि। मोर गड़ियाय जाय के तयारी म ओह आघू ले मोर देहें ऊपर इतर लगाय हवय। 9मेंह तुमन ला सच कहत हंव कि जम्मो संसार म जहिं-जहिं मोर सुघर संदेस के परचार करे जाही, उहां ओकर ए काम के चरचा घलो ओकर सुरता म करे जाही।”

10तब यहूदा इस्करियोती जऊन ह बारहों चेलामन ले एक झन रहिसि, मुखिया पुरोहितमन करा गीस कि ओह यीसू ला ओमन के हांथ म पकड़वा देवय। 11ओमन ए सुनके बहुत खुस होईन, अऊ ओला रूपिया दे बर राजी होईन। एकरसेति ओह यीसू ला पकड़वाय बर मऊका खोजन लगसि।

यीसू ह अपन चेलामन संग फसह के भोज खाथे

(मत्ती 26:17-25; लूका 22:7-14, 21-23;

यूहन्ना 13:21-30)

12बनि खमीर के रोटी के तहियार के पहिली दिन, ए रवाज रहिसि कि फसह के मेढ़ा-पीला के बलदान करे जावय; त यीसू के चेलामन ओकर ले पुछनि, “तंह कहां

चाहथस कि हमन जाके तोर बर फसह के भोज खाय के तयारी करन?”

13ओह अपन चेलामन ले दू झन ला, ए कहकि पठोईस, “सहर म जावव अऊ एक मनखे पानी के मटकी बोहे तुमन ला मलिही। ओकर पाछू-पाछू जावव। 14ओह जऊन घर म जाही, ओ घर के मालकि ला कहव, ‘गुरू ह पुछत हवय कि ओकर पहुना कमरा कहां हवय, जहिं ओह अपन चेलामन संग फसह के भोज खा सकय।’ 15ओह तुमन ला अटारी म सजे-सजाय अऊ तयार एक ठन बड़े कमरा देखाही। उहां हमर भोज खातरि तयारी करव।”

16तब चेलामन सहर म गीन अऊ जइसेने यीसू ह ओमन ला कहे रहिसि, वइसेनेच पाईन अऊ ओमन फसह के भोज तयार करनि।

17जब सांझ होईस, त यीसू ह बारहों चेलामन संग आईस। 18जब ओमन बईठके खावत रहनि, त यीसू ह कहसि, “मेंह तुमन ला सच कहत हंव—तुमन ले एक झन जऊन ह मोर संग खाना खावत हवय, मोला पकड़वाही।”

19चेलामन उदास होके एक-एक करके पुछन लगनि, “का ओह में अंव?”

20यीसू ह ओमन ला कहसि, “ओह तुमन बारहों म ले एक झन अय, जऊन ह मोर संग थारी म हांथ डारत हवय। 21मनखे के बेटा ह मरही, जइसेने परमेसर के बचन म ओकर बारे म लिखे हवय, पर ओ मनखे ऊपर ‘हाय’, जऊन ह मनखे के बेटा ला पकड़वाथे। कहूं ओ मनखे के जनम नई होतसि, त ओकर बर बने होतसि।”

परभू-भोज

(मत्ती 26:26-30; लूका 22:14-20; 1

कुरनिथुस 11:23-25)

22जब ओमन खावत रहनि, तब यीसू ह रोटी ला लीस अऊ परमेसर ला धनबाद देके ओला टोरसि अऊ अपन चेलामन ला देके कहसि, “लेवव, एह मोर देहें अय।”

23तब ओह अंगूर के मंद के कटोरा ला

लीस अऊ परमेसर ला धनबाद देके ओमन ला दीस, अऊ ओमन जम्मो झन ओम ले पीईन।

24यीसू ह ओमन ला कहसि, “एह करार के मोर लहू ए, जऊन ह बहुते मनखे खातरि बोहाय जावत हवय। 25मेंह तुमन ला सच कहत हंव की अंगूर के मंद ला ओ दिन तक फेर नई पीयंव, जब तक परमेसर के राज म नवां ला नई पी लहूं।”

26तब ओमन एक भजन गायके बाद, जैतून पहाड़ ऊपर चल दीन।

यीसू ह पतरस के मुकरे के अगमबानी करथे

(मत्ती 26:31-35; लूका 22:31-34; यूहन्ना

13:36-38)

27यीसू ह ओमन ला कहसि, “तुमन जम्मो झन मोला छोड़के भाग जाहू, काबरकी परमेसर के बचन म लिखे हवय,

‘मेंह चरवाहा ला मारहू, अऊ मेढ़ामन ततिरि-बतिरि हो जाहीं।’

28पर मेंह अपन जी उठे के बाद, तुम्हर ले आधू गलील प्रदेश जाहूं।”

29पतरस ह ओला कहसि, “कहूं जम्मो झन तोला छोड़ दीहीं त छोड़ दीहीं, पर मेंह तोला कभू नई छोड़व।”

30यीसू ह पतरस ला कहसि, “मेंह तोला सच कहत हंव की आज्ञेक रतहिा कुकरा के दू बार बासे के पहिली, तेंह तीन बार इनकार करबे की तेंह मोला जानथस।”

31पर पतरस जोर देके कहसि, “कहूं मोला तोर संग मरना घलो पड़ जावय, तभो ले मेंह तोर कभू इनकार नई करंव।” अइसनेच जम्मो चेलामन घलो कहनि।

यीसू गतसमनी म पराथना करथे

(मत्ती 26:36-46; लूका 22:39-46)

32तब ओमन गतसमनी नांव के एक ठऊर म आईन। यीसू ह अपन चेलामन ला कहसि, “इहां बईठे रहव, जब तक की मेंह पराथना करत हंव।” 33ओह पतरस, याकूब अऊ यूहन्ना ला अपन संग लीस, अऊ अबूबड़ घबराईस अऊ बयिकुल होईस। 34अऊ

ओह ओमन ला कहसि, “मोर मन ह अतकी उदास हवय की मेंह मर जावंव सहीं लगत हवय। तुमन इहां ठहरव अऊ जागत रहव।”

35थोरकन आधू जाके, ओह भुइयां म गरिके पराथना करन लगसि की कहूं हो सकय, त ए दुःख के बेरा ह ओकर ले टर जावय। 36ओह कहसि, “ददा, हे ददा! तोर दुवारा जम्मो बात हो सकथे। ए दुःख के कटोरा ला मोर म ले टार दे। तभो ले जइसने मेंह चाहत हवंव वइसने नई, पर जइसने तेंह चाहत हवस, वइसने होवय।”

37तब ओह अपन तीनों चेलामन करा आईस अऊ ओमन ला सुतत देखके, पतरस ला कहसि, “हे समोन! तेंह सुतत हवस। का तेंह एक घंटा घलो जागे नई सकय? 38जागत अऊ पराथना करत रहव की तुमन परछिा म झन पड़व। आतमा ह तो चाहत हे, पर देहें ह दुरबल हवय।”

39ओह फेर चले गीस अऊ ओहीच बात ला कहकिे पराथना करसि। 40जब ओह चेलामन करा लहुंटसि, त ओमन ला फेर सुतत पाईस, काबरकी ओमन के आंखीमन नींद के मारे बंद होवत रहय, अऊ ओमन नई जानत रहय की ओला का कहय।

41तब तीसरा बार आके, ओह ओमन ला कहसि, “का तुमन अभी तक ले सुतत अऊ अराम करत हवव? बहुत हो गे। घरी ह आ गे हवय। देखव, मनखे के बेटा ह पापीमन के हांथ म पकड़वाय जावथे। 42उठव! आवव, चलव! देखव, मोर पकड़वइया ह लकठा आ गे हवय।”

यीसू ह पकड़वाय जाथे

(मत्ती 26:47-56; लूका 22:47-53; यूहन्ना

18:3-12)

43यीसू ह ए कहतिच रहसि की यहूदा जऊन ह ओकर बारहों चेलामन ले एक झन रहसि, एक बड़े भीड़ ला लेके पहुंचसि। भीड़ के मनखेमन तलवार अऊ लउठी धरे रहय अऊ एमन ला मुखिया पुरोहित, कानून के गुरू अऊ अगुवा मन पठोय रहनि।

44यीसू के पकड़वइया ह ओमन ला आधू

ले ए बता दे रहिसि कजऊन ला मेंह चूमहूं, ओहीच अय। ओला पकड़के हुसियारी के संग ले जावव। 45यीसू करा तुरते जाके, यहूदा ह ओला कहसि, “हे गुरू!” अऊ ओह ओला चूमसि। 46तब मनखेमन ओकर ऊपर हाथ लगाके ओला कसके पकड़ लीन। 47ओकर लकठा म ठाढ़े मनखेमन ले एक झन अपन तलवार ला नकारिसि अऊ महा पुरोहित के सेवक ऊपर चलाके ओकर कान ला काट डारिसि।

48यीसू ह ओमन ला कहसि, “का मेंह कोनो डाकू अंव कज तुमन तलवार अऊ लउठी लेके मोला पकड़े बर आय हवव? 49मेंह तुम्हर संग रहकि रोज मंदिर म उपदेस देवत रहेंव, तब तुमन मोला नइ पकड़ेव। पर एह एकर खातरि होईस कपरमेसर के कहे बचन ह पूरा होवय।” 50तब जम्मो चेलामन ओला छोड़के भाग गीन।

51तब एक जवान ह उधरा देहें ऊपर सरिपि चादर ला ओढ़के यीसू के पाछू हो लीस अऊ जब मनखेमन ओला पकड़े लगनि, 52त ओह चादर ला छोड़के उधरा देहें भाग गीस।

यीसू ह महासभा के आघू म

(मत्ती 26:57-68; लूका 22:54-55, 63-71;

यूहन्ना 18:13-14, 19-24)

53तब ओमन यीसू ला महा पुरोहित करा ले गीन अऊ जम्मो मुखिया पुरोहित, अगुवा अऊ नयिम के सखोइया मन उहां जुर गीन। 54पतरस ह दूरह्वा म होके ओकर पाछू-पाछू महा पुरोहित के अंगना भीतर गीस, अऊ उहां रखवारमन के संग बईठके आगी तापन लगसि।

55मुखिया पुरोहित अऊ जम्मो यहूदीमन के बड़े महासभा के मनखेमन यीसू ला मार डारे बर ओकर बरिध म गवाही खोजत रहिनि, पर ओमन ला एको झन नइ मलिसि। 56बहुते झन ओकर बरिध म लबारी गोठ कहनि, पर ओमन के गोठ एक-दूसर के संग मेल नइ खाईस।

57तब कतको झन उठके ओकर बरिध म ए लबारी गवाही दीन, 58“हमन एला ए कहत

सुने हवन कज एह मनखे के बनाय मंदिर ला गरि दहिी अऊ तीन दिन म दूसर बना दहिी, जऊन ह मनखे के बनाय नइ होवय।” 59तभो ले ओमन के गवाही मेल नइ खाईस।

60तब महा पुरोहित ह ओमन के आघू म ठाढ़ होके यीसू ले पुछसि, “का तेंह कोनो जबाब नइ देवस? मनखेमन तोर बरिध म, ए का गवाही देवत हवय।” 61तभो ले यीसू ह चुपेचाप रहिसि अऊ कुछ जबाब नइ दीस।

महा पुरोहित ह ओला फेर पुछसि, “का तेंह महिमामय परमेसर के बेटा मसीह अस?” 62यीसू ह कहसि, “हां, मेंह अंव। अऊ तुमन मनखे के बेटा ला सर्वसकृतिमान परमेसर के जेवनी हाथ अंग बईठे अऊ अकास के बादरमन संग आवत देखहू।”

63तब महा पुरोहित ह अपन ओढ़ना ला चीरके कहसि, “अब हमन ला गवाही के का जरूरत हवय? 64तुमन ए ननिदा ला सुने हवव। तुमन के का बचिार हवय?”

ओमन जम्मो ओला मार डारे के काबलि ठहराईन। 65तब ओमन ले कुछ झन ओकर ऊपर थूकनि। ओमन ओकर आंखी ला बांधके ओला मुक्का मारनि अऊ कहनि, “बता, तोला कोन मारसि?” अऊ रखवारमन घलो ओला लेके मारनि।

पतरस ह यीसू के इनकार करथे

(मत्ती 26:69-75; लूका 22:56-62; यूहन्ना

18:15-18, 25-27)

66जब पतरस ह खाल्हे अंगना म रहिसि, त महा पुरोहित के एक नौकरानी टूरी आईस, 67अऊ पतरस ला आगी तापत देखके, ओला एकटक देखसि अऊ कहसि, “तहूं घलो त ओ यीसू नासरी के संग रहय।” 68पतरस ह इनकार करके कहसि, “मेंह नइ जानव कज तेंह का गोठियावत हस।” अइसने कहकि, ओह बाहरि दुवारी म चल दीस अऊ ओतकीच बेरा कुकरा ह बाससि।

69जब नौकरानी टूरी ओला उहां देखसि, त ओह जऊन मन उहां ठाढ़ रहंय, ओमन ला फेर कहसि, “ए मनखे ह ओमन म ले एक झन अय।” 70पतरस ह फेर इनकार करसि।

थोरकन बेर के पाछू जऊन मन लकठा म ठाढ़े रहंय, ओमन पतरस ला कहनि, “सरितोन, तेंह ओमन ले एक झन अस, काबरका तेंहूँ घलो गलील के अस।”

71तब ओह अपन-आप ला सराप देवन लगसि अऊ करिया खाके कहसि, “जेकर बारे म तुमन गोठियावत हवव, ओला में नइ जानव।”

72तुरते कुकरा ह दूसर बेर बाससि। तब पतरस ह यीसू के कहे गोठ ला सुरता करसि कि कुकरा के दू बखत बासे के पहिली, तेंह तीन बार मोर इनकार करबे। अऊ ओह कलप-कलप के रोवन लगसि।

यीसू ह राजपाल पीलातुस के आघू म

(मत्ती 27:1-2, 11-14; लूका 23:1-5; यूहन्ना

18:28-38)

15 बड़े बहिनियां मुखिया पुरोहित, अगुवा, नियम के सखोइया मन अऊ जम्मो महासभा मलिके फैसला करनि। ओमन यीसू ला बांधनि अऊ ओला ले जाके पीलातुस के हांथ म सऊं देनि।

2पीलातुस ह यीसू ले पुछसि, “का तेंह यहूदीमन के राजा अस?”

यीसू ह कहसि, “हव जी, जइसने कि तेंह कहथस।”

3मुखिया पुरोहितमन ओकर ऊपर बहुंत अकन दोस लगाईन 4पीलातुस ह ओकर ले फेर पुछसि, “का तेंह कोनो जबाब नइ देवस? देख एमन तोर ऊपर कतेक दोस लगावत हवय।”

5तभो ले यीसू ह कोनो जबाब नइ दीस। एला देखके पीलातुस ह अब्बड़ अचम्भो करसि।

यीसू ला मार डारे के हुकूम दिये जाथे

(मत्ती 27:15-26; लूका 23:13-25; यूहन्ना

18:39-19:16)

6ए रवाज रहिसि कि फसह तहियार के समय म, पीलातुस ह कोनो एक झन कैदी, जऊन ला मनखेमन चाहंय, छोड़ देवय। 7बरबूबा नांव के एक मनखे जेल म आने

मन संग रहिसि, जऊन ह सरकार के बरिध म बलवा करके हतिया करे रहिसि। 8मनखे के भीड़ ह ऊपर आके पीलातुस ले बनिती करसि, “जइसने तेंह हमर खातिर करत आय हवस, वइसने कर।”

9पीलातुस ह कहसि, “का तुमन चाहत हव कि मेंह तुम्हर खातिर यहूदीमन के राजा ला छोड़ देवं?” 10काबरका ओह जानत रहिसि कि मुखिया पुरोहितमन यीसू ला जलन के कारन पकड़वाय रहनि। 11पर मुखिया पुरोहितमन भीड़ ला भड़काईन कि पीलातुस ह यीसू के जगह म बरबूबा ला छोड़ देवय।

12एला सुनके पीलातुस ह ओमन ले पुछसि, “त फेर मेंह ए मनखे के का करंव, जऊन ला तुमन यहूदीमन के राजा कहत हवव।”

13ओमन चचियाके कहनि, “ओला कुरुस ऊपर चघाके मार डार।”

14पीलातुस ह ओमन ले पुछसि, “काबर? ओह का अपराध करे हवय?”

पर ओमन अऊ चचियाके कहनि, “ओला कुरुस ऊपर चघाके मार डार।”

15तब भीड़ ला खुस करे बर पीलातुस ह बरबूबा ला छोड़ दीस अऊ यीसू ला कोर्रा म पीटवाके कुरुस ऊपर चघाय बर सऊं दीस।

सपिाहीमन यीसू के हंसी उड़ाथें

(मत्ती 27:27-31; यूहन्ना 19:2-3)

16सपिाहीमन यीसू ला कलिा के भीतर अंगना म ले गीन अऊ सपिाहीमन के जम्मो दल ला बलाईन। 17ओमन बैजनी रंग के कपड़ा ओला पहिराईन अऊ कांटा के मुकुट गुंथके ओकर मुड़ ऊपर रखनि।

18अऊ ओमन ओकर हंसी उड़ाके कहनि, “हे यहूदीमन के राजा।” 19अऊ बार-बार ओमन ओकर मुड़ ला लउठी म मारंय, अऊ ओकर ऊपर थूकंय अऊ माड़ी ला टेकके ओला जोहार करंय। 20जब ओमन ओकर हंसी उड़ा चुकनि, त बैजनी रंग के कपड़ा ला ओकर ऊपर ले उतारके ओला ओकरेच कपड़ा ला पहिराईन अऊ तब ओमन कुरुस ऊपर चघाय बर ओला बाहरि ले गीन।

यीसू ला कुरस म चघाय जाथे

(मत्ती 27:32-44; लूका 23:26-43; यूहन्ना 19:17-27)

21सकिन्दर, अऊ रूफुस के ददा समिोन नांव के कुरेन के रहइया एक मनखे गांव ले आवत रहिसि। ओह ओहीच डहार ले नकिरिसि। सपिाहीमन ओला जबरन यीसू के कुरस ला उठाके ले जाय बर कहनि। 22ओमन यीसू ला गुलगुता नांव के ठऊर म लाननि, जेकर मतलब होथे “खोपड़ी के ठऊर”। 23तब ओमन ओला मुर्र म मलि अंगूर के मंद देवन लगनि, पर ओह ओला नई लीस। 24तब ओमन ओला कुरस ऊपर चघाईन। अऊ ओकर ओन्ढा बर चट्टी डालके फैसला करनि की कोन ला का मलिही, अऊ ओकर हिसाब ले ओला बांट लीन।

25दिन के करीब 9 बजे के समय होही, जब ओमन यीसू ला कुरस ऊपर चघाईन। 26अऊ ओकर ऊपर म ए दोस लिखके टांग दीन: “यहूदीमन के राजा”। 27ओमन ओकर संग दू झन डाकूमन ला घलो कुरस ऊपर चघाईन; एक झन ला ओकर जेवनी कोता अऊ दूसर ला ओकर डेरी कोता। 28तब परमेसर के ओ बचन की ओह पापीमन के संग गने जाही, पूरा होईस। 29अऊ रसता म अवइया-जवइयांमन मुड़ी डोला-डोला के अऊ ठट्ठा करके ए कहंय, “तंह कहत रहय की मंदिर ला गरिावव अऊ मेंह तीन दिन म ओला बना दूहूँ। 30कुरस ले उतरके अपन-आप ला बंचा।”

31अइसनेच मुखिया पुरोहित अऊ कानून के गुमूनन घलो आपस म ठट्ठा करके कहंय, “एह आने मन ला बंचाईस अऊ अपन-आप ला नई बंचाय सकत हवय। 32इसरायल के राजा, मसीह! अब कुरस ले उतर आ की हमन देखके बसिवास करन।” अऊ जऊन मन ओकर संग कुरस ऊपर चघाय गे रहनि, ओमन घलो ओकर ठट्ठा करत रहंय।

यीसू के मरितू

(मत्ती 27:45-56; लूका 23:44-49; यूहन्ना 19:28-30)

33मंझनियां के बखत जम्मो देस म अंधियार छा गीस अऊ अंधियार ह तीन बजे तक छाय रहिसि। 34तब तीन बजे यीसू ह अब्बड़ नरियाके कहसि, “इलोई इलोई लमा सबकतनी?” जेकर मतलब होथे—“हे मोर परमेसर, हे मोर परमेसर, तंह मोला काबर छोड़ दे?”

35जब लकठा म ठाढ़े मनखेमन ले कतको झन एला सुनि, त ओमन कहनि, “देखव, एह एलियाह अगमजानी ला बलावत हवय।”

36ओम के एक झन दऊड़के गीस अऊ स्पंज ला सरिका म बोरसि अऊ ओला एक ठन लउठी म रखके यीसू ला पीये बर दीस अऊ कहसि, “ठहर जावव, हमन देखबो की एलियाह ह ओला उतारे बर आथे की नई।”

37तब यीसू ह अब्बड़ जोर से नरियाके अपन परान ला तियाग दीस।

38मंदिर के परदा ह ऊपर ले खाल्हे तक चीराके दू बांटा हो गीसे। 39सपिाहीमन के अधिकारी ह यीसू के आघू म ठाढ़े रहिसि। जब ओह यीसू ला अइसने गोहार पारके परान तियागत देखसि, त कहसि, “सरितोन म एह परमेसर के बेटा रहिसि।”

40उहां कुछू माईलोगन घलो दूरहा ले देखत रहंय। ओम मरयिम मगदलनी, अऊ छोटे याकूब अऊ योसेस के दाई मरयिम अऊ सलोमी रहनि। 41जब यीसू ह गलील म रहिसि, त एमन ओकर पाछू हो ले रहनि अऊ ओकर सेवा करत रहनि। अऊ बहुत माईलोगन रहनि, जऊन मन ओकर संग यरूसलेम आय रहनि।

यीसू ला कबर म रखे जाथे

(मत्ती 27:57-61; लूका 23:50-56; यूहन्ना 19:38-42)

42ओह तियारी के दिन रहिसि जऊन ह की बसिराम दिन के एक दिन आघू आथे। जब संझा होईस, 43त अरमतिया के रहइया यूसुफ ह आईस, जऊन ह की महासभा के नामी सदस्य रहिसि अऊ खुदे परमेसर के

राज के बाट जोहत रहिसि। ओह हमिमत करके पीलातुस करा गीस अऊ यीसू के लास ला मांगसि। 44 पीलातुस ह ए सुनके अचम्भो करसि कयीसू ह अतेक जल्दी मर गीस अऊ ओह सपिाहीमन के अधिकारी ला बलाके पुछसि, “का यीसू ह मर गीस?” 45 जब ओह अधिकारी ले यीसू के मेरे के खबर ला जान लीस, त ओकर लास यूसुफ ला देवा दीस। 46 तब यूसुफ ह एक बने ओन्ढा बिसोईस अऊ यीसू के लास ला उतारके ओ ओन्ढा म लपेटसि अऊ एक कबर म जऊन ह पथरा म खोदे गे रहय, रखसि, अऊ कबर के मुहूँ म एक ठन बड़े पथरा ला टेका दीस। 47 मरयिम मगदलानी अऊ योसेस के दाई मरयिम देखत रहिन कि यीसू के लास ला कहाँ रखे गे हवय।

यीसू ह जी उठसि

(मत्ती 28:1-8; लूका 24:1-12; यूहन्ना 20:1-

10)

16 जब बसिराम दिन ह बीत गे, तब मरयिम मगदलानी अऊ याकूब के दाई मरयिम अऊ सलोमी, यीसू के देहें म चुपरे बर खुसबूदार तेल बसोईन। 2 हप्ता के पहिली दिन, बड़े बहिनियां जब सूरज ह नकिरेच रहिसि, तब ओमन कबर म आईन, 3 अऊ ओमन एक-दूसर ला कहत रहिन, “हमर बर कबर के दुवारी के पथरा ला कोन ह टारही?”

4 जब ओमन आंखी उठाके देखनि, त पथरा जऊन ह बहुत बड़े रहिसि, अपन ठऊर ले हट गे रहय। 5 जब ओमन कबर के भीतर गीन, त एक जवान ला सफेद ओन्ढा पहिर जेवनी कोता बईठे देखनि अऊ अब्बड़ चकति होईन।

6 ओ जवान ह ओमन ला कहसि, “तुमन चकति झन होवव। यीसू नासरी जऊन ला कुरस ऊपर चघाय गे रहिसि, ओला तुमन खोजत हवव। ओह जी उठे हवय, अऊ इहां नई ए। देखव, एही ओ ठऊर ए, जहिं ओमन ओला रखे रहिन। 7 पर तुमन जावव, अऊ ओकर चेलामन अऊ पतरस ला कहव कि

ओह तुम्हर ले आघू गलील प्रदेश जाही, उहां तुमन ओला देखहू जइसने कि ओह तुमन ला कहे रहिसि।”

8 ओमन घबराके, कांपत कबर ले भागनि अऊ कोनो ला कुछू नई कहनि काबरकि ओमन डर्रा गे रहिन।

यीसू ह मरयिम मगदलानी ला दरसन देथे

(मत्ती 28:9-10; यूहन्ना 20:11-18)

9 यीसू ह हप्ता के पहिली दिन बहिनियां होतेच ही जी उठसि, ओह पहिली मरयिम मगदलानी ला दखिसि, जऊन म ले ओह सात परेत आतमामन ला नकिरे रहिसि। 10 ओह जाके यीसू के चेलामन ला ए खबर दीस, जऊन मन दुःखी होके रोवत रहय। 11 जब ओमन ए सुननि कि यीसू ह जी उठे हवय अऊ ओला दरसन दे हवय, त ओमन बसिवास नई करनि।

12 एकर बाद, यीसू ह आने रूप म ओम के दू झन ला तब दरसन दीस, जब ओमन गांव कोता जावत रहिन। 13 ओमन घलो जाके बाकि चेलामन ला बताईन, पर चेलामन ओमन के घलो बसिवास नई करनि।

14 बाद म, यीसू ह गयिरह चेलामन ला घलो, जब ओमन खाय बर बईठे रहिन, दरसन दीस अऊ ओमन के कम बसिवास अऊ ओमन के ढीठपन ला देखके ओमन ला दबकारसि, काबरकि ओमन ओ मनखेमन के बात ला बसिवास नई करनि, जऊन मन यीसू ला जी उठे बाद देखे रहिन।

15 यीसू ह ओमन ला कहसि, “तुमन जम्मो संसार म जाके जम्मो मनखेमन ला सुघर संदेस सुनावव। 16 जऊन ह बसिवास करही अऊ बतसिमा लीही, ओह उद्धार पाही। पर जऊन ह बसिवास नई करही, ओह दोसी ठहराय जाही। 17 अऊ बसिवास करइयामन म ए चनिहां होही कि ओमन मोर नांव म परेत आतमामन ला नकिरही, अऊ ओमन नवां-नवां भासा बोलहीं। 18 ओमन सांप ला अपन हांथ म उठा लीहीं, अऊ ओमन कहूँ जहर घलो पी लीहीं, तभो ले ओमन ला कुछू नई

होवय। ओमन बेमार मनखे ऊपर हांथ रखहीं, त ओमन बने हो जाहीं।”

19ए बात, ओमन ला कहे के पाछू, परभू यीसू ह स्वरग म उठा लयि गीस। अऊ ओह परमेसर के जेवनी हांथ कोर्ता बईठ गीस। 20तब चेलासन जाके जम्मो जगह परचार करनि अऊ परभू ह ओमन के संग काम करत रहिसि अऊ बचन के संग होवत अचरज के चन्हांमन के दुवारा अपन बचन ला पक्का करसि। आमीन!

a 22 ओ समय म मनखेसन अंगूर के मंद ला चमड़ा के थैली म रख्यं। b 4 बहुंत पहिली एलियाह ह एक अगमजानी रहिसि अऊ मूसा ह यहूदीसन के एक खास अगुवा। c 13 इहां जब यीसू ह एलियाह के नांव लेथे, त ओकर मतलब यूहन्ना बतसिमा देवइया अय, जऊन ह एलियाह सहीं रहिसि। (मत्ती 11:13-14; 17:10-

13) d 20 इहां लइकापन के मतलब 13 साल के उमर हो सकथे, काबरकि यहूदी टूरामन 13 साल के उमर म मूसा के कानून ला माने बर जम्मेदार समझे जावयं। e 38 मंदिर म पबतिर जगह अऊ महा पबतिर जगह के बीच म एक परदा रहय। ए बसिवास रहिसि कि महा पबतिर जगह म परमेसर के उपस्थिति धरती म रहिसि। सरिपि महा पुरोहित ला अनुमती रहिसि कि साल म एक बार ओह महा पबतिर जगह म परमेसर के मनखेसन के पाप खातिर बलिदान चघाय बर जावय। मंदिर के परदा ह चीरा गीस, एकर मतलब ए अय कि यीसू ह हमर पाप खातिर मर गीस, अऊ अब हर एक बसिवासी ह परमेसर करा सीधा जा सकथे (देखव—इब्रानीमन 6:19-20; 9:1-16; 10:19-22)।